पाक्षिक
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
Postal Registration No : BHILWARA/208/2024-2026 Posting on 24-04-2024 at Rail Mail Service, Bhilwara
वर्ष-26 अंक-21 भीलवाड़ा/22 अप्रैल, 2024 कुल पृष्ठ- 14 मूल्य : 25 रुपए 1

कॉटन आइटम और लेडीज सूट में कारोबार संतोषजनक

कॉटन आइटमों पोपलीन, कैम्ब्रिक, डोरिया, टू बाई टू रूबिया की मांग

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

दिल्ली कपड़ा बाजार में एक और पखवाड़ा कमजोर कारोबार का गुजर गया। व्यापारियों का कहना है कि जहां एक ओर इस वर्ष ग्रीष्मकालीन सीजन में वैवाहिक तिथियां सीमित हैं वहीं दूसरी ओर लोकसभा चुनाव का असर भी बाजार पर नजर आ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि इस वर्ष अप्रैल में ही वैवाहिक तिथियां हैं तथा मई-जून में कोई तिथि नहीं है। इससे अब वैवाहिक सीजन की मांग समाप्त हो चुकी है जबकि सामान्य उठाव पहले ही सीमित बना हुआ था। व्यापारियों के अनुसार इस वर्ष 15 फरवरी के बाद कारोबार बराबर मंदा बना हुआ है। यहां तक की ईद पर भी बाजार में रौनक देखने को नहीं मिली। जानकारों का कहना है कि अब जल्दी ही बाजार में ग्राहकी की गहमा-गहमी नजर आने की संभावना नहीं है क्योंकि शादियों का सीजन नहीं है। कुछ व्यापारियों का कहना है कि लोकसभा चुनाव का भी बाजार पर असर पड़ा है। बाहर का व्यापारी पहले ही सीमित संख्या में आ रहा है।

संभावना अच्छी - हालांकि इस समय वैवाहिक सीजन नहीं है और फिलहाल ग्राहकी कमजोर बनी हुई है लेकिन जानकारों का कहना है कि आगामी सीजन के आसार काफी अच्छे नजर आ रहे हैं। व्यापाारियों का कहना है कि इस वर्ष मानसून सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों के पास पैसा आने से आगामी वैवाहिक और त्योहारी सीजन में अच्छी ग्राहकी की संभावना है।

एमएसएमई नियम से प्रभावित - जानकार व्यापारियों का कहना है कि सरकार द्वारा एमएसएमई पर भुगतान सम्बंधी नियम लागू होने के बाद कपड़े की मांग प्रभावित हुई है। ऐसे तो कपड़ा बाजार में अधिकांश कारोबार उधारी में ही चलता है लेकिन रेडीमेड गारमेंट में उधारी कुछ अधिक ही लम्बी चलती है। जानकारों का कहना है कि नए नियम के बाद इस सेक्टर की ग्राहकी प्रभावित हुई है। अब रेडीमेड गारमेंट निर्माता सोच-समझकर और सीमित खरीदी कर रहे हैं। व्यापारिक सूत्रों का कहना है कि अनेक व्यापारी इस नियम से बचने के लिए एमएसएमई सेक्टर से पंजीकरण रद्द कराने पर भी विचार कर रहे हैं।

प्रॉफिट अच्छा - कुछ व्यापारियों का कहना है कि नए नियम का एक फायदा अवश्य हुआ है कि अधिकांश पुरानी उधारी वापस आ गई है। जानकारों का कहना है कि नए नियम वस्त्र व्यापार उद्योग के लिए छोटी अवधि में परेशानी पैदा कर सकते हैं। सिंथेटिक सूटिंग-शर्टिंग में कारोबार सीमित रहा। वैवाहिक साड़ियों, लहंगा, चुनरी आदि में कारोबार कमजोर बना रहा। कॉटन आइटमों और लेडीज सूटों में कारोबार संतोषजनक रहा। व्यापारियों का कहना है कि सिंथेटिक सूटिंग-शर्टिंग में कारोबार कमजोर रहा। वैवाहिक सीजन की मांग केवल सीमित रही। व्यापारियों का कहना है कि रेडीमेड के बढ़ते चलन के कारण काउंटरों पर कटत अब कम हो रही है। सूटिंग-शर्टिंग निर्माता अब आगामी विंटर सीजन की तैयारी में जुटे हैं। जानकारों का कहना है कि बाजार में किसी नए फैब्रिक के आने की संभावना नहीं है। आगामी सीजन में सूटिंग में डार्क शेड और प्लेन सूटिंग की मांग अधिक रहने की संभावना है। विंटर सीजन के लिए मिलों की योजना जून में डिस्प्ले, कॉन्फ्रेंस और बुकिंग करने की बताई जा रही है। कॉटन सूटिंग और लिनन में खुदरा में अच्छी मांग बनी रही। सफारी और कॉम्बों पैकिंग की मांग अत्यंत कमजोर रही। शर्टिंग में कारोबार मंद रहा। निर्माता जून में बुकिंग आरंभ कर सकते हैं। वैवाहिक सीजन की मांग नहीं होने से लहंगा, चुनरी, वैडिंग गाऊन आदि की मांग कमजोर रही। जानकारों का कहना है कि निर्माता और थोक व्यापारी आगामी सीजन की तैयारी में जुटे हुए हैं। सिंथेटिक साड़ियों की सीमित मांग बनी रही। कॉटन साड़ियों की छिटपुट मांग थी। समर सीजन के कारण कॉटन आइटमों पोपलीन, कैम्ब्रिक, डोरिया, टू बाई टू रूबिया की मांग रही। कॉटन आइटमों के भाव लगभग पूर्व स्तर पर ही रहें। व्यापारियों के अनुसार लेडीज सूटों की मांग अच्छी बनी रही। आगामी दिनों में इनमें और सुधार की संभावना है। कॉटन सूटों की मांग भी बनी रही।

टेक्निकल टेक्सटाइल व गारमेंट का क्रेज जोरों पर

रामनवमी उत्सव पर अच्छी खरीददारी

बालोतरा/ लालचंद पुनीत

श्रमिकों के आने के साथ औद्योगिक प्रक्रियाएं गति पकड़ने लगी है। चंद दिनों में उत्पादन व्यवस्थित होने की उम्मीद है। बाजार में ग्राहकी अच्छी है, परंतु रंगाबेजी में कमी से उत्पादकों को चालानी में परेशानियों से रूबरू होना पड़ रहा है। ग्रे क्लॉथ के भावों में स्थिरता व्याप्त है।

साउथ के ग्रे भावों में तेजी का बोलबाला है। उत्पादकों व दिशावरी व्यापारियों की प्रबल धारणा है कि चुनावी माहौल की परिसमाप्ति के पश्चात् तेजी की पूरी उम्मीद है। वैवाहिक कारणों से अभी ग्राहकी दम पकड़ रही है। औद्योगिक क्षेत्र में फिलहाल कपड़े की चर्चा न कर अधिकांशतः सोने-चांदी की स्थिति पर अपनी राय प्रकट करते नजर आ रहे हैं। विश्व में अभी जो युद्ध के सन्दर्भ में माहौल है, इससे सोने के भाव और तेज होने की संभावनाएं बढ़ गई है। शेयर बाजार के कमजोर प्रदर्शन से सोने में चमक बढ़ती जा रही है। इसका कारण यह है कि इसे सर्वाधिक सुरक्षित इन्वेस्टमेंट माना जाता रहा है। जैसे मुख्यतौर पर उत्पादक उत्पादन लेने हेतु पूरजोर जुगाड़ बैठा रहे हैं तथापि श्रमिक वर्ग की दिलचस्पी चुनावी शतरंज में विशेष होने से वे काम से अधिक उसको प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रोसेस हाऊसों में फिनिशिंग कार्य प्रारम्भ होने से माल चालानी में गति आने की अपेक्षा प्रबल है। इस क्षेत्र के कुछ विशेष उत्पादकों की मांग तो है परंतु उत्पादन विलम्बित होने से तुरंत चालानी संभव नहीं बन पा रही है। आजकल उत्पादक स्पष्ट रूप से ग्राहक को बता देते हैं कि चालानी में दस दिन का समय लग सकता है। अतः आप इंतजार कर सकते हो तो ही माल कंफर्म करें। इस स्थिति के बाद भी पोपलीन, रेयॉन, नाईटी, नाईटी क्लॉथ, पौकेटिंग क्लॉथ, रोटो, पेटीकोट, साड़ी फॉल, रूबिया, अस्तर क्लॉथ आदि प्रमुख उत्पादकों की चालानी ठीक बनी हुई है। सच पूछों तो यह क्षेत्र टेक्नीकल टेक्सटाइल व गारमेंट उद्योग के लिए विपुल आशावादी व लाभदायक है। अगर सरकार इसमें रूचि ले और जनप्रतिनिधि जी जान लगाए तो यहां का वस्त्र रंगाई-छपाई देश का आदर्श औद्योगिक क्षेत्र बन सकता है। यहां की विशेषता है कि यहां काम की कमी नहीं है। यहां वे ही बेरोजगार हैं जो काम ही करना नहीं चाहते। रामनवमी का उत्सव आन-बान और शान के साथ विशाल स्तर पर मनाया गया, जिसमें उद्यमियों व आम नागरिकों ने उल्लास व उत्साह के साथ सहभागिता निभाई। प्रदर्शित झांकियो की गरिमा अत्यंत दर्शनीय रही।

सरकारी व निजी स्कूलों में समान यूनिफॉर्म कोड पर विचार कर रही है राजस्थान सरकार -श्री मदन दिलावर

भीलवाड़ा/ कमलेश व्यास

राजस्थान के शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने जोधपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा है कि सरकार निजी व सरकारी स्कूलों में एक जैसी यूनिफॉर्म करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को निजी स्कूलों की यूनिफॉर्म को एक ही दुकान से खरीदने के लिए विवश किया जाता है और मनमाने दाम वसूले जाते हैं। अगर सरकार ऐसा आदेश निकालती है तो राजस्थान के यूनिफॉर्म फैब्रिक एवं रेडीमेड यूनिफॉर्म सेक्टर में बड़ी उथल-पुथल होगी। सरकार क्या कलर क्वालिटी तय करती है उसके बाद कई कंपनीया फैब्रिक सप्लाई के लिए अपने एफर्ट लगाएगी। इस नियम के लागू होने के बाद प्राइवेट सेक्टर के स्कूल अपनी-अपनी ड्रेस एक निश्चित फर्म में टाइप करते और अभिभावकों को अप्रत्यक्ष रूप में अवगत करा देते कि हमारी ड्रेस उस जगह मिलेगी। आगे इस नियम के लागू होने के बाद सरकार भी अभिभावकों को फ्री करे कि वो ड्रेस कहीं से भी खरीदे, बनवाएं उसकी स्वतंत्रता होनी चाहिए और उस पर भी किसी रसूखदार प्रतिष्ठानों का आधिपत्य नही हो यानि वो ड्रेस सभी जगह उपलब्ध हो और अभिभावक कही से भी खरीदें तब ही सार्थक होगा। हालांकि बाजार सूत्रों के अनुसार ऐसा होना असंभव-सा लग रहा है।

त्योहारों के बाद वैवाहिक ग्राहकी शुरू

उदयपुर/ नवीन कोठारी

आलोच्य पखवाड़े में त्योहारी सीजन के चलते वस्त्र बाजार में अच्छी ग्राहकी है। होली के साथ ही त्योहारों और पर्वों के शुरुआत होने से खासकर महिलों परिधानों की खूब बिक्री हुई। गणगौर और ईद पर भी वस्त्र बाजार में जमकर खरीददारी हुई। अब त्योहारों पर विराम लग चुका है अर्थात् आने वाले दिनों में कोई त्योहार नहीं है। इस अप्रैल माह में ही बहुत से विवाह मुहूर्त होने से वैवाहिक वस्त्रों की बिक्री शुरू हो गई। बाजार में वैवाहिक परिधानों की लेटेस्ट वैरायटियां उपलब्ध होने से ग्राहकों की हर प्रकार की डिमाण्ड पूरी की जा रही है। प्रतिष्ठानों पर महंगे से महंगे वेडिंग सूट्स की बिक्री में इजाफा है। कई प्रतिष्ठानों पर ग्राहक की अपनी अलग पसंद के सूट्स को तैयार करने की सुविधा भी उपलब्ध होने से ग्राहकों को बहुत आराम हो गया है। पहले इस प्रकार की सुविधा दूसरे शहरों में ही उपलब्ध थी, किंतु मांग के अनुसार स्थानीय वस्त्र विक्रेताओं ने अपने यहां भी इसे उपलब्ध करवा दिया। सभी प्रकार के वस्त्रों चाहे होजरी, मेचिंग, साड़ी, सलवार सूट्स, शर्टिंग-सूटिंग, होम फर्निशिंग एवं ग्रे वस्त्र इत्यादि में अच्छी ग्राहकी होने से वस्त्र विक्रेता संतुष्ट दिखाई दे रहे हैं। जानकारों की माने तो आने-वाले दिन वस्त्र-व्यापार के अनुकूल रहने वाले हैं।

जबरदस्त ग्राहकी से झूमे बाजार

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल

पश्चिमी उत्तरप्रदेश की अधिकांश कपड़ा मार्केट्स में रमजान माह व अप्रैल के लग्न-सावा मुहूर्त की बिक्री निकलने से जबरदस्त रौनक के साथ चहल-पहल देखी गई। कपड़े के सभी सेगमेंट पैंट-शर्ट, कुर्ता-पायजामा, लेडीज सूट्स, फैंसी ड्रेस, साड़ी, लहंगा, चुनरी, हैंडलूम, रेडीमेड गारमेण्ट के सभी सेगमेंट में अच्छी-खासी बिक्री देखी गई। यद्यपि दुकानें काफी मात्रा में होने से ग्राहक की चॉइस बढ़ गई है तथा दुकानदार द्वारा ग्राहक को नित नई वैरायटी उपलब्ध करा रहे हैं। यद्यपि इधर मई में अभी लग्न-सावा के छुटपुट मुहूर्त की ही सूचना है। इसलिए आगे की बिक्री लग्न-सावा के साथ-साथ गर्मियों की कॉटन वस्त्रों पर भी निर्भर रहने वाली है अथवा मुस्लिम शादियों पर। मुजफ्फरनगर के प्रतिष्ठित सुप्रसिद्ध व्यापारियों में सर्वश्री विनोद डाबर, मनोहर लाल, संजीव गोयल, गुलाटी जी, राजेश ग्रोवर, सुदर्शन खरबंदा, पवन बत्रा, घनश्याम पालीवाल, अशोक छाबड़ा, अमित सिंघल, आशीष सिंघल, रोशन लाल, सुशील छाबड़ा, लक्ष्मण रस्तौगी, अमृत राठी, देवेन्द्र गर्ग, अनिल नामदेव, राकेश कंसल, अनुराग गर्ग, अजय मदान के अनुसार काम-काज अच्छे खासे चलते रहेंगे। 19 अप्रैल को यहां लोकसभा चुनाव है।

रेडीमेड वस्त्रों की बिक्री जबरदस्त

मुजफ्फरपुर/ संजय कुमार पौद्दार

ग्रीष्मकालीन लग्न एवं मुस्लिम पर्व ईद की बिक्री पूर्व की भांति इस वर्ष अधिक देखी गयी। ऊंची रेट की सूट पीस, सरारा, बुरका तथा चमकीले एवं स्टोन लगे हुए डिजाइनर सूट की बिक्री इस बार अधिक हुई। रेडीमेड वस्त्रों में भी बिक्री रोजाना बढ़ रही है। अभी लग्न की बिक्री में बनारस, बेंगलौर एवं सूरत के फैंसी और ऊंची रेंज की साड़ियों की डिमाण्ड अधिक मात्रा में हुई है। बनारस के रेशम उद्योग एवं मारूती ब्राण्ड तथा बेंगलौर के रूद्रमा ब्राण्ड की भरपूर रेंज काफी अधिक मात्रा में यहां के वस्त्र बाजार में देखी जा रही है। यहां की संस्था थोक वस्त्र विक्रेता ट्रस्ट के द्वारा संचालित गोशाला सिकंदरपुर ग्राउण्ड में आदर्श विद्या मंदिर स्कूल बिल्डिंग भूमि पूजन (17-04-2024)के साथ रामनवमी के अवसर पर अध्यक्ष मोतीलाल जी छापड़ीया एवं सचिव आनंद जी केड़ीया के द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत हुई। सूतापट्टी स्थित श्री सालासर हनुमान मंदिर में पूर्व वर्ष की भांति व्यापारियों के बीच बाबा के दरबार में रामनवमी का त्योहार खूब धूमधाम से मनाया गया।

पुराने मॉडल की कारों पर रोक से व्यापारी परेशान

पानीपत/ अशोक शर्मा/अभिषेक शर्मा

कभी-कभी कुछ नियम ऐसे बन जाते हैं जो आम लोगों को भारी मुसीबत में डाल देते हैं। एक ऐसे ही कानून ने पानीपत उद्योगपतियों, व्यापारियों को मुसीबत में डाल दिया है। वह कानून है दस साल पुरानी डीजल से चलने वाली गाड़ी और पंद्रह साल पुरानी पेट्रोल से चलने वाली गाड़ी अब आप सड़क पर नहीं चला सकते। तब लोगों ने आवाज उठाई थी कि यह कानून गलत है और मांग की थी यह नियम उन वाहनों पर लागू किया जाए जो प्रतिदिन लंबा सफर करते हैं। जैसे- ट्रक, बस अथवा लोड़ करने वाले अन्य वाहन। पानीपत में बड़े उद्योगपतियों से लेकर छोटे व्यापारियों के पास एक या दो कारे तो है ही लेकिन यह व्यापारी अपनी गाड़ियों को चलाते नही है या बहुत कम चलाते हैं। व्यापारियों का कहना है कि यह कारे हमनें अपनी सुविधा के लिए रखी हुई है ताकि इमरजेंसी में कहीं जाना पड़ जाए तो अपनी गाड़ी निकाल कर चले गए। जबकि लोडेड वाहन जितना एक महीने में चलते हैं। हम उतना सफर एक साल में भी नहीं कर पाते। अब प्रशासन द्वारा ऐसे पुराने वाहनों की चैकिंग शुरू कर दी है और व्यापारी जिसने अपनी गाड़ी आठ से दस लाख में खरीदी थी वह दो लाख की भी नही बिंक रही है। हालांकि गाड़ियों की हालत अच्छी व शानदार है। एक ही कारण है कि उसका मॉडल दस साल पुराना है। व्यापारी यदि अपनी कार बेंच दे, उसे नयी कार लेने के लिए बैंक से लोन लेना पड़ेगा या फिर वह महंगी कार खरीद ही नही पाएगा। इस बात को लेकर ऐतिहासिक हथकरघा मण्डी पानीपत के व्यापारी बहुत परेशान है मगर सरकार को इस बात की कोई चिंता नही है।

वैवाहिक सीजन से मार्केट में तेजी

पटना/ प्रहलाद अग्रवाल

जनवरी से अप्रैल तक मार्केट अच्छा चला। ईदुलफितर पर मार्केट में ग्राहकी ठीक रही। मई-जून में वैवाहिक लग्न-सावा मुहूर्त नही है। आगे जुलाई में लग्न-सावा मुहूर्त है। ऐसे में व्यापारियों को डर है कि जुलाई वाला लग्न-सावा मुहूर्त साथ देगा या नहीं इसको समझकर व्यापारी कपड़ा खरीदी कर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि सलवार सूट्स की सप्लाई इतनी नहीं हो पाई जितनी होनी चाहिए। आगे जुलाई में लग्न-सावा मुहूर्त है, जो मई-जून को मेंटेन रखेगा।

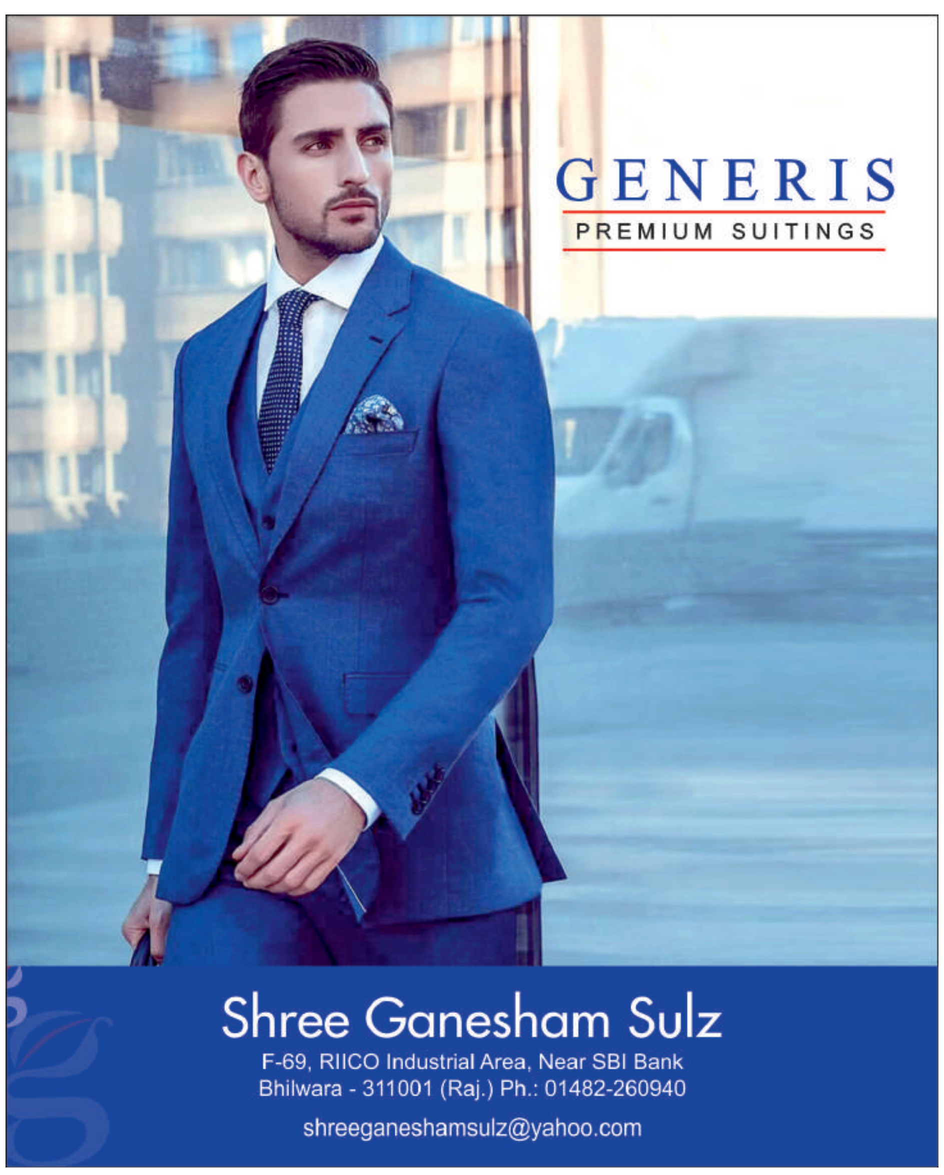

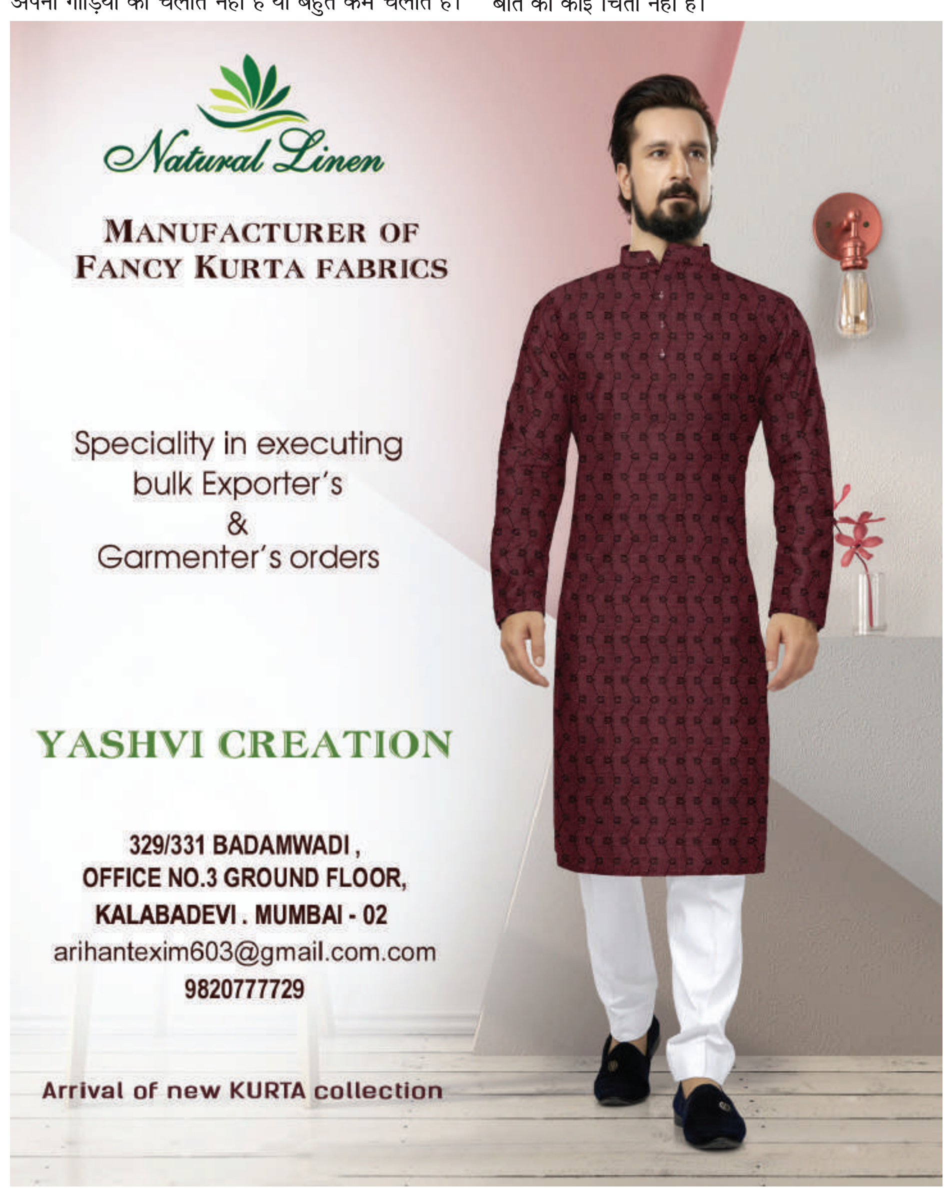

Collection of Impression
The Perfect Man
Servicom's
FINE SUITINGS
Servicom Rayon India
e-mail : servicomrayonindia@yahoo.in
Mumbai office :
99, Dadiseth Agiary Lane, 2nd. Floor, Mumbai-2
Ph.: 022-22050755, Cell : 093242-20245
Bhilwara Office:
G-9/10, 4th Phase, RIICO Ind. Area, Bhilwara (Raj.)
Ph.: 01482-297324, Cell: 094141-14324

।। श्री नाकोड़ा भैरवाय नमः।।
Deal with ease, deal with us
Specialisation in
UNIFORM&
CORPORATES
Bhairav Syntex
Textile Agent
112, 1st Floor, Shreenath Tower, Pur Road, Gangapur Choraha
Bhilwara-311001 (Raj.) bhairavsyntex11@gmail.com
MAHENDRA JAIN 94138 60897 | 63785 41066 | HARSH JAIN 94611 32695

Manufacturers Of Exclusive Shirtings & Corporate Uniform
Kalpatru
TRULY WONDERFUL
KALPATRU SYNTHETICS
PRIVAT LIMITED
CORP. OFF:- Rajlaxmi Comm. Complex,
'J' Bldg., 2nd Floor, Gala No. 216 to 218
Kalher Village, Bhiwandi,Thane- 421 302.
Tel: 95951-46883, 95952-46882
REGD. OFF:- 26, Bandrawala Bldg., 2nd Floor, 16,
Dadi Seth Agiari Lane, Mumbai- 02.
Ph.: 022-2240 0642 / 40056305,
Mob.: 93202-12219, 80807-77101
Helpline no +91 7219896584 | E-mail: kalpatru_syn@yahoo.co.in

MAYPRE
LEGACY OF FASHION
Dealing in
Shirting & Kurta Fabrics
MAHAVIR TEXTILES
Office: 19/21, Ladwadi, Khokhawala Bldg., 2nd Floor,
Old Hanuman Lane, Kalbadevi, Mumbai- 02.
Tel.: 022 4004 3239 | Email: mahavirtextiles@yahoo.co.in
For Trade Inquiry:- Kumarpal Jain- +91 93241 47233 | Karan Jain- +91 98206 86838

Qmax WORLD
SUNIL TIBREWAL GROUP COMPANY
NO.1 UNIFORM FABRIC MANUFACTURER
BRIGHT UNIFORM FABRIC FOR BRIGHT FUTURE
Visit our website
Customer Care No.
99305 58201

ANIRUDH TEXCHEM
PVT. LTD.
Best Quality / Widest Range
Unique Design / On time Delivery
ANIRUDH TEXCHEM PVT. LTD.
+91 9352815046 www.anirudhtextile.com Anirudh Texchem
anirudhtexchem anirudhtextiles@rediffmail.com
C-69, B.T. Market, Pur Road, Bhilwara (Raj)
MUMBAI OFFICE: Room No. 8, First Floor, Dwarka Sadan, Sai Nath Road
Next To Lifeline Hospital, Malad (West), Mumbai-64 (Maharashtra) Mob:-98202-33140
Mills: E-170, Hamirgarh Growth Center, Bhilwara

Siyaram's
MARCONI
ITALIAN FASHION
SCAN THE QR CODE TO VIEW THE VIDEO
BODYCARE
FABRIC
RCZETTI
GET NOTICED
COLE
THE POWER OF BLACK
ULTIMA
TR-KING
Available at all the leading retail outlets and Siyaram's Shops across the country. For trade/corporate enquiries, contact: 022-68330500. Toll-free No.: 1800 209 4005.
For franchise enquiries, contact: 09820197273. Email: enquiries@siyaram.com | www.siyaram.com Follow us on:

एजेन्सी व्यवसाय में अग्रणी वी. एस. एजेन्सी

श्री मितुल मथुरा दास बदियानी

मुम्बई/ स्थानीय वस्त्र मण्डी में विगत 34 वर्षो से एजेन्सी व्यवसाय कर रही कम्पनी वी.एस. एजेन्सी एक जाना पहचाना नाम है कम्पनी के डायरेक्टर श्री मितुल मथुरा दास बदियानी ने बताया कि मेरे पिताजी श्री मथुरा दास बदियानी ने कपड़े की ट्रेडिंग व स्टोर लाइन से शुरूआत की जो कि आज मुम्बई में श्रेष्ठता के शिखर पर है। प्रोपराइटर श्री कृपा बदियानी ने बताया कि कम्पनी लेडिज सूट, मेन्स एथेनिक, लेडिज एथनिक, किड्स, कुर्तीस व वेस्टर्न की प्रमुखता से एजेन्सी कार्य कर रही है। कम्पनी फैब्रिक पंजाब, लुधियाना, मेरठ, दिल्ली, जयपुर, बनारस, भागलपुर, अहमदाबाद, सूरत, कोलकाता, नगरी, त्रिवेन्द्रम, इरोड़, बेंगलौर व चैन्नई जैसे बड़े शहरो से लेकर मुम्बई में विपणन कर रही है। कम्पनी का सूरत में भी ऑफिस है और जल्दी ही अहमदाबाद व दिल्ली में भी ऑफिस शुरू करने जा रहे है। कम्पनी का प्रमुख उद्देश्य व्यापारी को ईमानदारी व कर्तव्य निष्ठा से माल सप्लाई करना रहा है एवं आगे की अनवरत इसी पॉलिसी से एजेन्सी का कार्य जारी रहेगा।

आढ़तिया कपड़ा एसोसिएशन व्यापारिक कार्य के साथ-साथ सामाजिक कार्यों से भी जुड़ेगी

सूरत/ आढ़तिया कपड़ा एसोसिएशन सूरत की मासिक बैठक संपन्न हुई। जिसमें सभी कोर कमेटी के मैंबर्स एवं आमंत्रित साथी उपस्थित हुए। मीटिंग में पुरानी सभी सांगठनिक गतिविधि के बारे में अवगत करवाया गया। सभी प्रकार की चल रही व्यापारिक गतिविधि के बारे में अवगत कराया गया। जिसमें इस महीने में लगभग 1 करोड़ रुपए से अधिक का पेमेंट AKAS के प्रहलाद जी अग्रवाल मध्यस्थ बातचीत से दिलाने में सफल रहे। जबकि 10 महीने के दौरान 4.25 करोड़ के ऊपर सफलता मिली। इसके अलावा AKAS सांगठनिक कार्यों के साथ-साथ व्यापारिक सामाजिक सेवा कार्यों से जुड़ने का कार्य करने जा रही हैं। जिसमें सामाजिक क्षेत्र में चिकित्सा से संबंधित कैंप और समाज के लिए जनहित के लिए बहुत सारे कार्य करेगी। शहर में अलग-अलग इन सभी कार्य को व्यापारिक मार्केट में आयोजन करवाने से आरंभ किया जाएगा। आज की मीटिंग में कोर कमिटी के इलावा FOSTTA के अध्यक्ष कैलाश जी हकीम और अमरनाथ जी डोरा उपस्थित रहें।

वैश्विक आर्थिक मंदी पर अमेरिका, यूरोप की ऊंची महंगाई दर का असर

2023-24 में भारत से टेक्सटाइल्स और गारमेंट निर्यात घटा

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

हाल ही समाप्त हुए वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान टेक्सटाइल्स निर्यात में वृद्धि हुई है लेकिन गारमेंट निर्यात में भारी गिरावट के कारण टेक्सटाइल्स और गारमेंट का कुल निर्यात 2022-23 की तुलना में 3.24 प्रतिशत घटकर 34.43 बिलियन डॉलर रहा। यानि 2022-23 के दौरान देश का टेक्सटाइल्स और गारमेंट निर्यात 35.58 बिलियन डॉलर का था। हालांकि देश से टेक्सटाइल्स का निर्यात विषम परिस्थितियों के बावजूद 2.62 प्रतिशत बढ़ गया लेकिन गारमेंट निर्यात 10.25 प्रतिशत लुढ़ककर 14.53 बिलियन डॉलर रह गया। वर्ष 2022-23 में गारमेंट निर्यात 16.9 बिलियन डॉलर का किया गया था।

जानकारों का कहना है कि यूक्रेन-रशिया के बाद हमास और इजराइल के बीच आरंभ हुए युद्ध के कारण विश्व में अनिश्चितता की स्थिति के कारण देश से गारमेंट निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है और गत वर्ष की तुलना में लगभग हर माह गिरावट ही आती रही। निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका में महंगाई की ऊंची दर के कारण ब्याज दरें भी ऊंची होने के कारण वहाँ से गारमेंट की मांग बुरी तरह प्रभावित हुई है। इनका कहना है कि इसी प्रकार यूरोपीय समुदाय के देशों को भी निर्यात में कमी आई क्योंकि वहां भी महंगाई दर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी जिससे उनकी क्रय शक्ति प्रभावित हुई और इसका असर गारमेंट की खरीद पर पड़ा। काला सागर में तनाव से गारमेंट के निर्यात पर असर पड़ा। इसके अतिरिक्त विश्व में आर्थिक मंदी के भय से भी प्रमुख देशों में गारमेंट की मांग प्रभावित हुई है।

टेक्सटाइल्स में सुधार

दूसरी ओर, कॉटन यार्न की बढ़ती वैश्विक मांग के कारण गत वित्त वर्ष के आरंभ से ही टेक्सटाइल्स में बढ़ोतरी का दौर बना रहा। जानकारों का कहना है कि चीन, बांग्लादेश, वियतनाम आदि देशों को कॉटन यार्न का निर्यात अधिक मात्रा में किया गया। इन देशों की मांग बनी रही क्योंकि विश्व बाजार में कॉटन के भाव ऊंचे थे। गत वर्ष कॉटन यार्न, फैब्रिक्स, मेड-अप्स, हैंडलूम उत्पादों का निर्यात 11.68 बिलियन डॉलर का रहा जो पूर्व वर्ष के निर्यात 10.94 बिलियन डॉलर की तुलना में 6.71 प्रतिशत अधिक है। कारपेट, हैंडीक्राफ्ट आदि के निर्यात में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके विपरीत टेक्सटाइल्स के अन्य आइटमों के निर्यात में कमी आई है। मैनमेड यार्न, फैब्रिक्स, मेड-अप्स आदि का निर्यात 5.46 प्रतिशत घटकर 4.67 बिलियन डॉलर रह गया। पूर्व वर्ष में यह निर्यात 4.94 बिलियन डॉलर का था।

टेक्सटाइल्स का निर्यात

उल्लेखनीय है कि कई माह बाद फरवरी में देश से सभी प्रकार के रेडीमेड गारमेंट का निर्यात 1,476.34 मिलियन डॉलर का हुआ जो गत वर्ष की इसी अवधि के निर्यात 1,407.68 मिलियन डॉलर की तुलना में 4.88 प्रतिशत अधिक है। बहरहाल, फरवरी के निर्यात में सुधार के बावजूद कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष के पहले 11 माह यानि अप्रैल से फरवरी के बीच देश से रेडीमेड गारमेंट का कुल निर्यात 13,059.35 मिलियन डॉलर रहा जो गत वर्ष की इसी अवधि के निर्यात 14,742.71 मिलियन डॉलर की तुलना में 11.42 प्रतिशत कम है। जानकारों का कहना है कि विश्व के अनेक देशों में आर्थिक सुधार के साथ ही रेडीमेड गारमेंट की मांग आनी आरंभ हो गई है। इनका कहना है कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए आगामी महीनों में रेडीमेड गारमेंट की मांग में और सुधार होगा। जानकारों का कहना है कि टेक्सटाइल्स और गारमेंट के निर्यात में कमी के कारण देश के कुल निर्यात में इस क्षेत्र के योगदान में मामूली कमी आई है। आलोच्य वर्ष में कुल निर्यात में टेक्सटाइल्स और गारमेंट सेक्टर का योगदान 7.88 प्रतिशत रहा जबकि पूर्व वर्ष 7.89 प्रतिशत था।

आयात रहा कम

आलोच्य वर्ष के दौरान देश में कॉटन, टेक्सटाइल यार्न फैब्रिक्स, मेड-अप्स आदि के आयात में भी कमी आई। विश्व बाजार में कॉटन के भाव ऊंचे और देश में कम होने के कारण आलोच्य वर्ष में कॉटन रॉ और वेस्ट का आयात 58.39 प्रतिशत लुढ़ककर 598.63 बिलियन डॉलर रह गया जबकि 2022-23 में 1,438.70 मिलियन डॉलर का आयात किया गया था। इसी प्रकार टेक्सटाइल्स यार्न फैब्रिक्स, मेड-अप्स आदि का आयात भी लगभग 13 प्रतिशत घटकर 2,277.85 मिलियन डॉलर रह गया जो पूर्व वर्ष में 2,716.74 मिलियन डॉलर था।

संभावना बेहतर

हालांकि गत वर्ष के दौरान रेडीमेड गारमेंट निर्यात में कमी आई है लेकिन जानकारों का कहना है कि चालू वर्ष में संभावना अच्छी बनती नजर आ रही है। ब्रिटेन आदि में खुदरा महंगाई की दर कम हुई है तथा यूरोप और अमेरिका के प्रमुख रिटेल स्टोरों में पुराना स्टॉक समाप्त होने के समाचार हैं। जानकारों का कहना है कि चुनाव के बाद ब्रिटेन के साथ एफटीए होने की संभावना है और इससे भारत से गारमेंट निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

गारमेण्ट के सभी सेगमेंट में बिक्री अच्छी नहीं होने से मंदी का माहौल

मुंबई /रमाशंकर पाण्डेय

गारमेंट के किसी भी सेगमेंट में हाल कारोबार अच्छा नहीं है। जेंट्स वियर, लेडीज वियर और चिल्ड्रन वियर तीनों सेगमेंट में करेंट वैसा नहीं है, जैसा होता है। मांग नहीं बढ़ने से रिटेलरों की नई वैरायटी में खरीदी घटी है। इस कारण नई वैरायटी में रिटेलर्स ने बड़े पैमाने पर खरीदी कम कर दी और उतना ही माल मंगा रहे हैं, जिसका समय पर भुगतान हो सके और बहुत अधिक स्टॉक भी नही करना पड़े। गारमेंट की फैंसी वैरायटी में कारोबार कम होने की उम्मीद है। कारण कि मई-जून में शादियों का मुहूर्त नहीं है। जो कुछ धंधा हो रहा है, वह सिर्फ गर्मी के कपड़ों और स्कूल यूनिफॉर्म तक सीमित है। रिटेलर्स पुराने स्टॉक से परेशान है।

गारमेंट में यदि स्थानीय स्तर पर आगे चलकर ग्राहकी में कुछ सुधार होता है तो बाजार में जोरदार करेंट आने की संभवना है, नहीं तो बाजार में मूवमेंट कमजोर ही रहने की संभावना अधिक है। इतना ही नहीं यदि यूरोप और अमेरिका की गारमेंट की मांग बढ़ती है, जैसा कि इस तरह के संकेत मिल रहे हैं, तब गारमेंट इकाइयों पर से दबाव कम हो सकता है। जानकारों का कहना है कि देश एवं विदेशी बाजार में गारमेंट में डिमांड बढ़ने की संभावनाएं अधिक है, तथापि हाल में जिस तरह की स्थिति गारमेंट उत्पादन से लेकर बिक्री के बीच बनी हुई है, ऐसे में किसी बड़े उलटफेर के बाद ही गारमेंट इकाइयों पर से दबाव कम हो सकता है। गारमेंट की स्थानीय बिक्री बहुत अधिक घटने के बाद रिटेलर्स की उलझने कम नहीं हो रही है। रिटेलर्स के पास अभी अनसोल्ड स्टॉक अधिक है। भयंकर गर्मी की शुरूआत होने पर भी अभी तक इस सीजन में अधिक बिकते सूती पतले गारमेंट की मांग नहीं खुली है। नवरात्र से बाजार में हलचल बढने की चर्चा थी, लेकिन नवरात्र निकलने के बाद भी सन्नाटा ही है। गारमेंट की स्थानीय मांग कम होने और निर्यात में कारोबार अपेक्षा से कम होने के कारण गारमेंट मैन्युफेक्चरर्स की कपड़ों की मांग घटी है। बाजार में स्थिति असमंजस की है, फिर भी आगामी कुछ समय में रेडीमेड गारमेंट की मांग में सुधार की संभावना से इनकार नही किया जा सकता है।

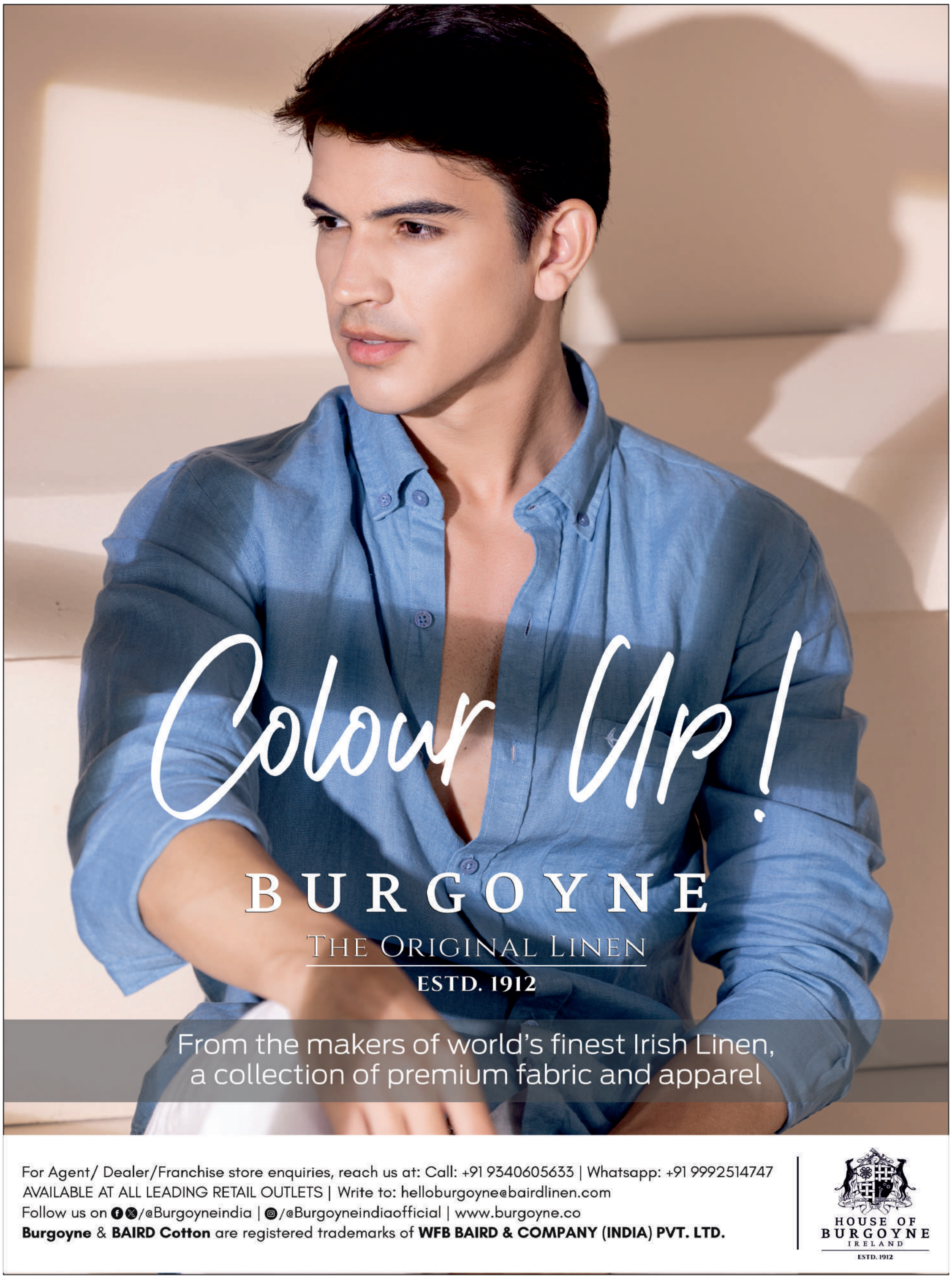

www.sparshfab.com

पेश है 3X COOL™

Sparsh-Fab® UNIFORM FABRIC

एक ऐसी टेक्नोलॉजी जो रखे पहनने वालों को कम्फर्टेबल दिनभर और

आप को रखे व्यवसाय में अग्रसर।

एक ऐसा फैब्रिक जो सोखे पसीना 10 सेकण्ड्स में, दाग-धब्बे और धूल-मिट्टी को जमने न दे, कपड़ा जो हो सुरक्षित और टिकाऊ

डायनामिक ड्राइंग
मॉइस्चर को सोखे, कपड़े को तुरंत सुखाए, आपको रखे चुस्त और तंदुरुस्त

एंटी स्टेटिक
स्टेटिक बिल्डअप को अवरोध करने वाला कपड़ा सुरक्षित, टिकाऊ तथा आरामदेह

सॉइल रिलीज़
दाग-धब्बे और धूल-मिट्टी को जमने न दे, क्लीनिंग को बनाये आसान

स्पर्श फैब जो हमेशा कटिबद्ध रहा है अपने सभी सहयोगी व्यापारियों की प्रगति के लिए हम उसी तरह वचनबद्ध हैं। हमारे सभी उपभोक्ताओं के प्रति भी भारत एक उष्ण कटिबंधीय प्रदेश है जहाँ औसतन तापमान 33 अंश होता है ऐसे में पूरे दिनभर एक ही यूनिफॉर्म पहने रहना तकलीफ तथा असुविधाजनक हो सकता है। हम ऐसी परिस्थितियों पर हमारे रिसर्च एंड डवलपमेंट डिपार्टमेंट में निरंतर अभ्यास करते हैं, इसके चलते हमने एक नए आविष्कार को सांझा किया है 3X COOL. यह एक ऐसी टेक्नोलॉजी है जो पसीने को केवल 10 सेकण्ड में सोखता है, तो उपभोक्ता को चिपचिपेपन से राहत मिलती है और वह फ्रेश महसूस करता है। इस ट्रीटमेंट की वजह से कपड़े पर धूल मिट्टी जमने में अवरोध होता है जिसकी वजह से कपड़ों का क्लीनिंग और मेंटेनेंस आसान होता है, इस कपड़े में स्थायी ऊर्जा पैदा नहीं होती और उपभोक्ता को चुभन से राहत मिलती है, वह आराम तथा सुकून का अनुभव करता है। स्पर्श का यह कपड़ा **चैक्स और स्ट्राइप्स के 36 पन्ने में उपलब्ध है** विशेष मांग पर अन्य डिज़ाइन में भी यह उपलब्ध हो सकता है, पर सबसे आनंददायक बात यह है कि ये कपड़ा उसी दाम में उपलब्ध है। इस विशेषता के होने से हमारे साथी व्यापारी प्रतिस्पर्धी व्यापारियों से आगे रहेंगे और उन्हें ऑर्डर पाने में आसानी होगी, तो आइये इस नए वर्ष में अधिकाधिक व्यापार करें और इस नए वर्ष 2024 को एक सफल और खुशहाल वर्ष बनायें।
नया वर्ष नयी उम्मीदों और सफलताओं से भरा हो,
नववर्ष की शुभकामनाएँ।

चैक्स और लाइनिंग में 36 पन्ने में तैयार स्टॉक

डिमांड करने पर अन्य डिज़ाइन में भी उपलब्ध

आपके ऑर्डर के लिए सम्पर्कः
98202 07953/ 74200 24089

यह फीचर कैसे काम करता है
यह जानने के लिए स्कैन करें

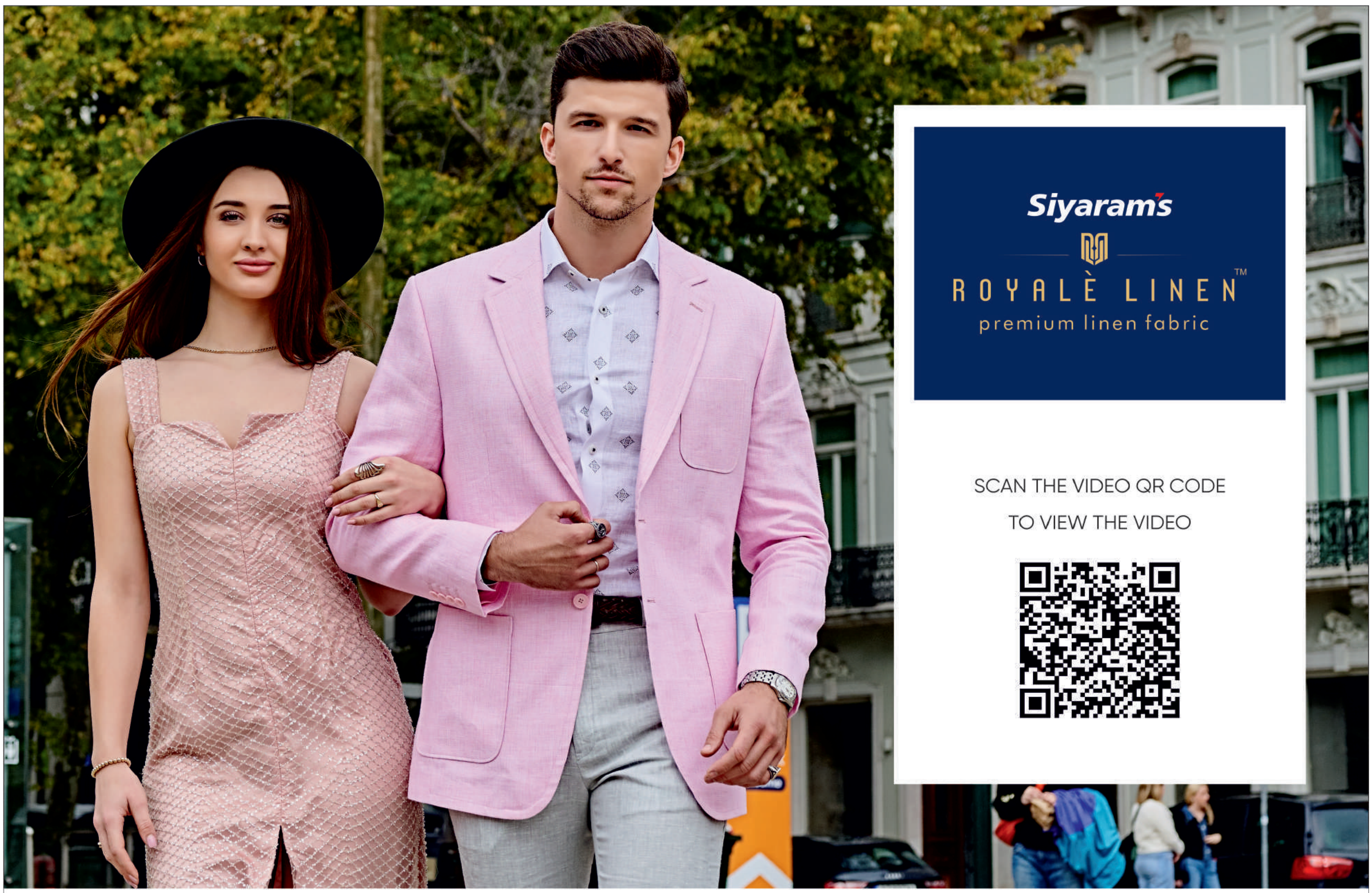

Available at all leading retail outlets and Siyaram's Shops across the country. For trade/corporate enquiries, contact: 022-68330500. Toll-free No.: 1800 209 4005.
For franchise enquiries, contact: 09820197273. Email: enquiries@siyaram.com | www.siyaram.com Follow us on:

क्वालिटी यार्न उत्पादन में शीर्ष कंपनी त्रिवेणी स्पिनिंग मिल्स प्रा.लि.

भारत में बड़ी मात्रा में धागे की खपत

वीरगंज(नेपाल)/ सन् 2000 में स्थापित, त्रिवेणी स्पिनिंग मिल्स लि. नेपाल की दूसरी सबसे बड़ी स्पिनिंग मिल्स बीरगंज में स्थित है। इसमें 1805 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं और इसकी विनिर्माण क्षमता 1150 मीट्रिक टन प्रतिमाह है। कंपनी के उत्पादों की श्रृंखला में शत प्रतिशत शुद्ध पॉलिएस्टर, एक्रेलिक, विस्कोस और मीलान्ज यार्न के मिश्रण शामिल हैं। जर्मनी से आयातित विश्वस्तरीय तकनीक और काम में श्रेष्ठ संचालन के साथ यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपने ग्राहकों को उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले उत्पाद देने में सक्षम है, जिनमें तुर्की और भारत प्रमुख हैं।

TSM ने अपनी शुरुआत के बाद से लगभग 400% की सराहनीय वृद्धि देखी है क्योंकि इसकी शुरुआत महज 13000 स्पिंडल से हुई थी और केवल 2 दशकों से कम समय में यह 60,000 स्पिंडल तक पहुंच गई है। समूह ने राइटर के लिंक कॉनर्स के साथ नवीनतम अत्याधुनिक मशीनरी के साथ 21600 स्पिंडल के विस्तार की योजना बनाई है और इस कमीशनिंग के साथ कुल उत्पादन क्षमता 1750 मीट्रिक टन प्रतिमाह होगी।

स्पिनिंग मिल्स का उद्देश्य

स्पिनिंग मिल का मुख्य उद्देश्य किसी भी प्रकार के फाइबर को प्रोसेस करके उससे धागा बनाना है। इस धागे के तब अनेक उपयोग हैं। जिसका प्रमुख उपयोग कपड़ा निटिंग/वीविंग मैन्युफेक्चरिंग प्लाण्ट्स के लिए कच्चे माल के रूप में काम करना है।

तकनीक

अपनी शुरुआत के बाद से TSM अपनी सामग्रियों के उत्पादन के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीक के बारे में बहुत खास रहा है। चाहे वह जनशक्ति हो या मशीनें, TSM ने सर्वोत्तम को नियोजित करने का वचन दिया है। वर्तमान में यूनिट में राइटर, जर्मनी से सौर, सेवियो और भारत में लक्ष्मी मशीनरी वर्क्स (LMW) से आयातित और स्थापित मशीनें हैं।

गुणवत्ता प्रबंधन

TSM में उत्पादों की गुणवत्ता स्थिरता प्राप्त करने के लिए उपयोग किया जाने वाला मुख्य प्रबंधन दृष्टिकोण कुल गुणवत्ता प्रबंधन (TQM)है जो पूरे संगठन को ग्राहकों की जरूरतों पर मुख्य ध्यान देने के साथ प्रक्रियाओं के संग्रह के रूप में देखता है। दीर्घकालिक सफलता के लिए सुधार के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाने हेतु प्रक्रियाओं का ये संग्रह अपेक्षित है। इन प्रोसेस क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम (IPQM) के रूप में प्रक्रिया के हर चरण पर गुणवत्ता की जाँच और निगरानी की जाती है जो अंतिम उत्पाद की सर्वोत्तम गुणवत्ता सुनिश्चित करती है। गुणवत्ता नियंत्रण जांचकर्ताओं की एक समर्पित टीम विभिन्न विभागों में गुणवत्ता पहलुओं की लगातार जाँच करती है और उन्हें सही करती है। एक मानक गुणवत्ता मानदंड तैयार किया जाता है और प्रत्येक निरीक्षक को दिया जाता है जिसका उसके द्वारा पालन किया जाता है और इस मानदंड से किसी भी विचलन को तुरंत ठीक किया जाता है। इसके अलावा आपसी सम्मान और प्रयास के साथ-साथ मशीनों और प्रौद्योगिकियों के निरंतर उन्नयन से गुणवत्ता स्थिरता भी हासिल की जाती है।

गुणवत्ता हमारे लिए क्यों मायने रखती है?

किसी भी परिधान या कपड़े के लिए यार्न एक पूर्व-आवश्यकता है। इसलिए, यार्न की गुणवत्ता यह निर्धारित करेगी कि लोग जो परिधान पहनते हैं, उसकी गुणवत्ता कितनी अच्छी है। उनसे निर्मित फैब्रिक और बेहतर फील सुनिश्चित करने के लिए, TSM में अच्छी गुणवत्ता द्वारा निर्देशित होते हैं और इसके प्रति प्रतिज्ञा करते हैं।

निर्यात

TSM का अस्सी प्रतिशत उत्पादन विभिन्न देशों में निर्यात किया जाता है जिनमें तुर्की और भारत शामिल हैं। TSM इन देशों को सालाना औसतन 300 कंटेनर निर्यात करता है।

Our Product Portfolio is listed as

	Count Range	Remarks
Synthetic Polyester, Viscose Grey & Dyed	(Ne) '8s to 40s Single & Double & Plied	In PSF, Polyester, Viscose, Poly/Viscose Blends in Grey, Black Dope Dyed, P/V Dyed
Acrylic Yarn Non Bulk	(Nm) 1/33 to 1/50 Single & Double	As per the requirement Minimum Lot Size 2.0 T/Shade fiber dyed
Poly Acrylic Blends	(Ne) 10-30	As per the Market Need

Our factory is located in the industrial area of the country- Birgunj which gives us benefits to reach out with our products locally and globally.

सदस्यता फॉर्म

टेक्सटाइल वर्ल्ड
SINCE 1998
वस्त्र उद्योग जगत का सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र

मान्यवर,

आपको यह जानकारी देते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि टेक्सटाइल उद्योग जगत का एक मात्र सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' आज दिल्ली, अमृतसर, लुधियाना, रोहतक, मुम्बई, भिवण्डी, नागपुर, अमरावती, पूना, इचलकरंजी, सोलापुर, सूरत, अहमदाबाद, गोरखपुर, आगरा, कोलकाता, ग्वालियर, रायपुर, उज्जैन, इन्दौर, रांची, हैदराबाद, सिकंदराबाद, कोयम्बटूर,बुरहानपुर, बंगलुरू, चैन्नई, सेलम, मालेगांव, इरोड़, बरेली, मुरादाबाद, भीलवाड़ा, जोधपुर, बालोतरा, पाली, जयपुर, उदयपुर सहित पूरे देश में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सम्पूर्ण टेक्सटाइल क्षेत्र में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार है और यह सब आप जैसे जागरूक पाठकों के सहयोग से ही संभव हो पाया है।

आपके लिए 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' किस प्रकार उपयोगी है:- क्योंकि यह एक अखबार ही नहीं अपितु एक महत्त्वपूर्ण सूचना प्रदायक दस्तावेज है जिसमें पूरे देश की वस्त्र मण्डियों के समाचारों के साथ-साथ फाइबर से लेकर फैब्रिक, मशीनरी, केमिकल आदि के संबंध में केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी महत्त्वपूर्ण नीतियों का समावेश होता है। यह आप के व्यापार की श्रीसमृद्धि में निश्चित रूप से अभिवृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगा।

AXIS BANK
Textile World
Axis bank, Bhilwara
A/c no. 911020040072253
Ifs code - UTIB0000241

कोरियर द्वारा पांच वर्ष की सदस्यता पर ऑल इण्डिया टेक्सटाइल डायरेक्ट्री फ्री

नोट - ऑफर सीमित समय के लिये

वर्ष	ऑफर	प्रतियां	कोरियर द्वारा
1 वर्ष	---------	24	रू.600
2 वर्ष	---------	72	रू.1000
4 वर्ष	+1 वर्ष की सदस्यता फ्री	120	रू.2500

हाँ, मैं 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' समाचार पत्र की सदस्यता प्राप्त करना चाहता हूँ:-

☐ एक वर्ष ☐ तीन वर्ष ☐ पांच वर्ष

नाम एवं पद ....

कम्पनी/फर्म का नाम : ....

पता : ....

..........पिन कोड नं. ....

मोबाइल नं. ....फोन नं. ....

कैटेगरी: ☐ निर्माता ☐ प्रोसेसर ☐ स्पिनर ☐ निर्यातक ☐ आयातक ☐ एजेण्ट ☐ डीलर ☐ होलसेलर ☐ रिटेलर ☐ डिजाइनर ☐ कंसल्टेंट ☐ इंस्टीट्यूट ☐ अन्य ....

डीलिंग: ☐ सूटिंग ☐ शर्टिंग ☐ साड़ी ☐ ड्रेस मटीरियल ☐ रेडिमेड गारमेण्ट ☐ होजयरी ☐ मशीनरी ☐ केमिकल ☐ यार्न ☐ पैकेजिंग मटीरियल ☐ होम फर्निशिंग ☐ अन्य ....

सदस्यता हेतु चैक/ड्राफ्ट नं. .... दिनांक .... रु. .... 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' के नाम से प्रेषित है।

विशेष- यदि आप पत्रकार के रूप में आपके यहां के टेक्सटाइल मार्केट की न्यूज भी हमें भेजना चाहते हैं तो कृपया 9468835188 पर whatsapp सम्पर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करालें।

417, 4th FLOOR, COMMERCIAL MALL, GOVINDAM, OLD RTO ROAD, BHILWARA-311001
Tel: 01482-237165 | E-mail: textileworldtw@gmail.com | Web: www.textileworld.org

गारमेंट फैब्रिक सप्लायर्स कर रहे एक्जीबिशन में डिस्प्ले की तैयारी

मुंबई

रमजान माह भी समाप्त हो गया, सीजन की रिटेल ग्राहकी ठीक-ठाक रही। अब कपड़े की होलसेल मार्केट में फैंसी फैब्रिक के ग्राहकों का अभाव है। यार्न के दामों में थोड़ी बढ़ोत्तरी हुई है, लेकिन बाजार में लेवाली न के बराबर है। लूमों पर उत्पादन कम है। क्योंकि समर वोकेशन प्रारंभ हो चुका है। लूम कामगार अपने वतन का रुख कर रहे हैं जिसका असर कपड़ा उत्पादन एवं डाइंग प्रोसेसिंग यूनिट्स पर भी दिखना प्रारंभ हो चुका है। इस ओर आगामी माह में देशभर में लोकसभा चुनाव होने जा रहे हैं जिसके चलते आचार संहिता लागू हो चुकी है और कड़े पुलिस बंदोबस्त के चलते नकदी का लेन-देन काफी कठिन हो गया है और इसका भी असर कपड़ा बाजार पर पड़ रहा है।ऑर्डर के यूनिफॉर्म फैब्रिक की चल रही डिस्पेच- कपड़ा बाजार की पूरी उम्मीद अब यूनिफॉर्म फैब्रिक पर टिकी नजर आ रही है।

व्यापारियों के पास ऑर्डर्स के माल की डिस्पेच बराबर नहीं हुई है। किंतु अभी तक रेडी स्टाक माल की डिमांड आनी प्रारंभ नहीं हुई है और यूनिफॉर्म फैब्रिक सप्लायर्स उसी पल का इंतजार करते नजर आ रहे हैं। गारमेण्टर्स को फैब्रिक सप्लाई करने वाले व्यापारियों द्वारा आइटम विंटर सीजन की तैयारियां प्रारंभ की जा रही है। जिसक अंतर्गत अप्रैल और मई माह में मुंबई में 2 एक्जिबिशन और अहमदाबाद में 1 एक्जिबिशन होने जा रहा है और उन तीनों इवेंट में हिस्सा लेने वाले फैब्रिक सप्लायर्स द्वारा नई फैब्रिक के डवलपमेंट किए जा रहे हैं। गत 2 माह का कपड़ा कारोबार एमएसएमई की भेंट चढ़ गया और कामकाज घटने से खूब सारे कपड़ा एवं गारमेण्ट व्यापारी अपना एमएसएमई का रजिस्ट्रेशन कैंसल करवा रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार नियम तो छोटे व्यापारियों के लिए ही है किंतु बाजार में इसका विपरीत असर पड़ा है। रजिस्टर्ड व्यापारियों के ऑर्डर्स काफी कैंसल हुए और वह सारे ऑर्डर्स अन्य बड़े व्यापारियों के पास एवं एमएसएमई में जो रजिस्टर्ड नहीं है उनके पास चले गये और गत 2 माह में इस तरह के बदलते हालातों के चलते अब खूब सारे व्यापारी अपना रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं।

वैवाहिक सीजन से मार्केट में सूटिंग शर्टिंग की भरपूर ग्राहकी

रेवाड़ी/ प्रकाश शर्मा

बाजार में इस समय ग्राहकी अच्छी चल रही है तथा पैमेंट की आवक भी अच्छी है। बाजार में सूटिंग तथा शर्टिंग की ग्राहकी अच्छी चल रही है। रेडीमेड में जैसे शैरवानी, कुर्ता पायजामा, पेंट, कोट की डिमांड अच्छी आ रही है तथा अच्छे-अच्छे डिजाइन के कोट-पेंट की डिमाण्ड की जा रही है। बाजार में इस समय लहंगा, चुन्नी तथा साड़ीयों की अच्छी से अच्छी डिजाइन की डिमाण्ड बनी हुई है। ग्राहकी शादियाँ होने के कारण अच्छी चलती रहेगी तथा बाजार में हर प्रकार के ऑर्डर की डिमाण्ड बनी हुई है। बहुरानी साड़ी शोरूम, अटेली मंडी के यहां लहंगा, चुन्नी की डिमाण्ड एक से एक डिजाइन जैसे 5000 रू. से लेकर 8000 रू तक के ऑर्डर आ रहे है।

आगामी स्कूली सीजन की तैयारियां शुरू

आकोला /राजेश जैन..

शादियों की सीजन लगभग अभी निकल रही है। इस कारण मार्केट में ग्राहकी अभी तो बढ़िया है। मगर हर व्यापारी डरा हुआ है कि व्यापार कब तक चलेगा, कितना चलेगा, कितना माल ले या नहीं असमंजस में है। अपने पास पड़ा माल सबसे पहले निकले सभी ने मन बना रखा है। अब शादी सीजन के साथ स्कूल सीजन शुरू हो जायेगा।

कस्तूरी कॉटन को वैश्विक ब्राण्ड के रूप में स्थापित करने हेतु सरकार प्रयासरत

मुंबई

स्पिनिंग इकाइयों की साधारण खरीदी और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भारी बिकवाली से रूई बाजार में गिरावट आई हैं। सीसीआई की भी बिकवाली है,लेकिन मांग बहुत अधिक नहीं है। न्यूयॉर्क वायदा में फरवरी माह में रूई का भाव 104 सेंट तक बढ़ने के बाद स्थानीय बाजारों में रूई और कपास के भाव में तेजी आई थी। लेकिन कुछ समय से वायदा में करीब 20 सेंट तक भाव टूटने के बाद अब तेजी की संभावना कम है, इसलिए हाजिर बाजार में रूई का भाव 62000 रू से घटकर 59000 से 59400 रू. प्रति खंडी हो गया है। बाजार सूत्रों का कहना है कि घरेलू बाजार में तेजी का कोई फंडामेंटल नहीं था, फिर भी विदेशी बाजारों की देखा-देखी यहां भी भाव बढ़े थें। कपास के भाव टूटने से किसानों में मायूसी है। हाजिर बाजार में रूई के भाव फिर घटने शुरू हो गए है। भाव घटने पर जहां निर्यात सौदे अच्छे होते है, तो दूसरी ओर स्पिनिंग इकाइयों की भी खरीदी निकलती हैं। मार्च अंत तक निर्यात में 20 लाख गांठ के सौदे और शिपमेंट का अनुमान है। देश में कपास की 80 प्रतिशत सीजन पूरी हो चुकी है लेकिन किसानों के पास अभी कपास की स्टॉक है। कुल निर्यात सौदा 22 लाख गांठ हो सकता है और अनुमान है कि सीजन के अंत तक यह 27 लाख गांठ तक पहुंच सकता है। स्वदेशी रूई कस्तूरी कॉटन को वैश्विक ब्राण्ड के रूप में स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार छह राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, हरियाणा, पंजाब और गुजरात में उच्च कक्षा की परीक्षण सुविधा तैयार करना चाहती है। कुछ महीने से कपास एवं रूई में तेजी का माहौल था, इसलिए सीसीआई केंद्रों पर कपास की आवक कम हो गई हैं। किसानों को खुले बाजार में उपज का अच्छा भाव मिलता हो तो फिर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अपना माल कौन बेंचेगा। देश में सीसीआई ने कुल मिलाकर 32.81 लाख गांठ की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की है। इनमें अधिकतर खरीदी तेलंगाना, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र से की गई है। महाराष्ट्र का कपास गुजरात में भी जाता है। सीसीआई ने पिछले वर्ष कपास की खरीदी नहीं की थी, कारण कि रूई के भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक थे, तो वहीं चालू सीजन के प्रारंभ में किसानों को अच्छा भाव मिला और बीच में जब भाव घटे तो सीसीआई ने खरीदी की। बाजार सूत्रों का कहना है कि सीसीआई ने जो माल खरीदा है, उनमें से 3.37 लाख गांठ बेंच भी दिया है। देश में कपास के भाव सरकार के घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक है, इसलिए सीसीआई की नई खरीदी बंद है। यदि बाजार में कपास के भाव एमएसपी से नीचे जाता है, तो सीसीआई खरीदी करने के लिए बाजार में उतर सकता है। परंतु ऐसी स्थिति अभी कम लग रही है। बाजार में कपास की आवक बढ़ी है। जिन जिनिंग इकाइयों में आवक घटने के बाद कामकाज प्रभावित हो गया था, उनमें फिर से कामकाज शुरू हो गया है। यद्यपि रूई में निर्यातकों की मांग कमजोर है और स्पिनिंग इकाइयों की खरीदी उतनी दमदार नहीं है, जितनी की होनी चाहिए, फिर भी भाव सुधर रहे हैं।

Success of CMAI FAB Show 2024 Beckons a Bright Future for India's Textile & Apparel Industry

Mumbai/ The Fabrics, Accessories & Beyond Show 2024 (FAB Show 2024), hosted by the Clothing Manufacturers Association of India (CMAI), wrapped up its 4th edition on a successful note consequently boosting Textile industry sentiments with exceedingly high business prospects. The three-day event, which took place from April 15 to April 17 at the Bombay Exhibition Centre, Mumbai, outperformed industry expectations with an estimated business generation of more than 2,100 crores.

The trade show successfully attracted 10,200 trade visitors from 320+ cities across India which included over 1,500 elite platinum buyers. Moreover, overseas buyers from 16 countries mainly Bangladesh, UAE, Bahrain, Egypt, Russia, Hong Kong, USA, Kenya, Sri Lanka and Nepal also visited the show. The presence of sourcing heads from renowned brands and retail majors like Aditya Birla Fashion & Retail, Bestseller, Gokaldas Exports, Kora, Mufti, Pepe Jeans, Reliance Brands, Shoppers Stop, Soch, Stori, Spykar, Westside and many others further boosted industry confidence thus reflecting the event's importance as a prime sourcing platform.

Speaking about the success of FAB show, Rajesh Masand, President, CMAI expressed, "The impact of this grand sourcing event will resonate across the garment industry supply chain, promising not only immediate business but also long-term strategic developments and new sourcing relationships for all stakeholders involved. The remarkable success of this year's show reflects a buoyant industry outlook, fuelling optimism for a robust recovery in the upcoming seasons. This resurgence comes at a crucial time as our industry was stressed with tepid demand and recent challenges like the amendment affecting MSME payments. With the positive momentum generated by the FAB Show, there is a renewed confidence that the industry outlook will soon be back on growth path."

This year's FAB Show was a focal point for industry Innovation and Sustainability, showcased by over 200 domestic exhibitors, including major names like Grasim, Arvind, Siyaram's, Gokul Print, Jindal, Banswara Syntex, Ruby Mills, Bhagwan Enterprise apart from many MSME's. Noteworthy participants from diverse sectors such as fabric suppliers, accessories manufacturers and software developers demonstrated their latest offerings and services to a discerning audience.

"FAB Show 2024 has set a new benchmark for success in the textile & apparel industry, reflecting our commitment to driving growth and sustainability," said Naveen Sainani, Chairman FAB Show, CMAI. The Sustainability zone was a major attraction at the fair which showcased fabrics crafted from waste, recyclable materials and educated about benefits of waste water management promoting innovation & circularity which is a cornerstone of CMAI's holistic strategy to engage, educate, and inspire the garment industry. He further elaborated "Our environment is changing and if the world can't avoid deforestation, we need to invest in reforestation. On behalf of the 2876 visitors who pledged to voluntarily become earth warriors, CMAI will be planting 2876 tree saplings to create a healthier environment, fight climate change, and protect biodiversity".

The Surat Pavilion organised by the Southern Gujarat Chamber of Commerce & Industry (SGCCI) showcased over 40 leading fabric manufacturers for the fourth consecutive edition of FAB. One of the key reasons for the popularity of the Surat pavilion amongst the visitors is their ability to present the latest trends and understand the needs of the garment industry. Speaking about the current business landscape, Siddharth Dhawan, Director, Gokul Tex Print – a leading fabric manufacturer from Surat, expressed, "We have seen a steady growth over the last year, which slowed down in the last few months due to the MSME payment amendment that came in. This year, we are confident that starting June till December, signs of growth will become evident as we deliver the merchandise to manufacturers, which they will provide in the market." Another participant, Ritesh Patel, Director, Surbhi Textile Mills from Surat said "We received an extraordinary response for all of our products and the presence of buyers from all across the country gave us a great exposure. We are looking forward to participate in the next CMAI show".

Speaking about their business outlook, Murugan Thenkondar, President – Marketing & Global Head – Business Development, Aditya Birla (Cellulosic Fibres) stated "The export market is facing lot of turbulence currently and our domestic market has been growing steadily which is the reason we are exhibiting here. CMAI has been highly successful in presenting the textile value chain to participate mainly cloth manufacturing brands, yarns, weavers, knitters, spinners and fibres thus offering a one-stop-destination to meet sourcing requirements. Distinguishing from other fairs, FAB is an excellent annual platform for the domestic customers and we are seeing a lot of positive energy at the show".

Sailesh Kukreja, Managing Director, Bhagwan Enterprise from Mumbai elatedly said "We thank CMAI for implementing innovative measures to ensure the presence of buyers from across the country that made the fair a thrilling success. The exhibition was well organized and the on-spot visitor registration process was very swift. The overall publicity campaign was very well designed and consistently created a buzz on social media. We look forward to participate in all upcoming CMAI fairs and hope for a grander success". Speaking about Sustainability, J.P. Singh, Director, Ramtex - Parmeshwari Silk Mills from Ludhiana said, "We are committed to Sustainability and have adapted eco-friendly processes to save approximately four lakh litres of water daily. It is heartening to see that consumers are getting more environment conscious by the day and are preferring eco-friendly fabrics such as ours. Our main markets have been Punjab, Haryana and Delhi; however, we have started receiving increased demand through our distributors from Mumbai, Pune, Hyderabad, Chennai, Bengaluru, Kolkata and Indore too."

A lucky draw contest was also held on all the three days of the show wherein Rupees 10 lacs worth of scooters, gift cards and holiday vouchers of leading brands were handed out to visitors and exhibitors.

About CMAI- The Clothing Manufacturers Association of India (CMAI) is the most representative association of the Indian apparel industry having over 5,000 members and serving more than 20,000 Retailers. Its Membership consists of Manufacturers, Exporters, Brands, and ancillary industry. CMAI advocates regarding policies and also guides and encourages its members on ESG related matters and initiatives. In 2019, CMAI launched the SU.RE initiative to encourage members to embrace sustainability.

Established sixty years ago, CMAI has contributed immensely towards development of the industry. In 1978, CMAI had led the creation of the Apparel Export Promotion Council (AEPC). CMAI is also authorised by the Government of India to issue Certificate of Origin (Non-Preferential) to Exporters. CMAI is the only Indian Association that represents the entire Indian Apparel Industry & Trade on prestigious international forums such as International Apparel Federation (IAF) headquartered in Netherlands.

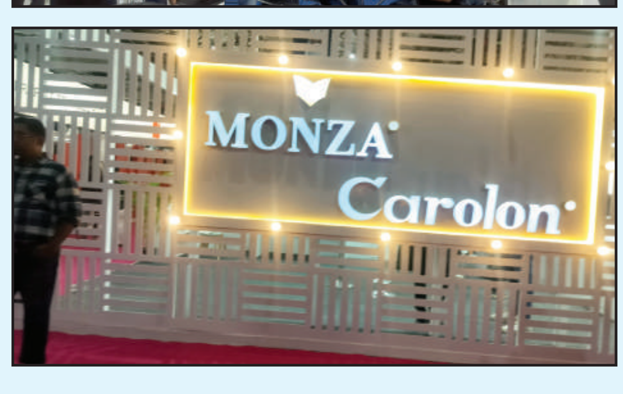

सम्पादकीय....

सुरक्षाबलों द्वारा माओवादियों को करारा जवाब

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में मंगलवार को माओवादियों से हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों को मिली कामयाबी सामान्य नहीं है। मारे जाने वाले माओवादियों की बड़ी संख्या इसका सिर्फ एक पहलू है। जिस तरह से सुरक्षा बलों ने माओवादियों की मौजूदगी की सूचना हासिल की, अलग-अलग सूत्रों से उसकी पुष्टि कराई, जिस तरह से ऑपरेशन की योजना तैयार की, जिस कुशलता से उसे अंजाम दिया और इस दौरान केंद्र से लेकर राज्य और जिला स्तर तक जिस तालमेल के साथ उस टीम को सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई गई- वह सब गौर करने लायक है।

स्थानीय प्रशासन ने इस बात की पुष्टि की है कि बस्तर संभाग में यह माओवादियों के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान है। इस पूरे क्षेत्र के नजरिए से देखा जाए तो भी यह हाल के वर्षों के बड़े अभियानों में आता है। लेकिन इसकी अहमियत इस मामले में भी है कि कई ऐसे नाम एक साथ पुलिस कार्रवाई की जद में आ गए जो इस क्षेत्र में माओवादी अभियानों की अगुआई करने के लिए जाने जाते रहे थे। इस लिहाज से यह सुरक्षा बलों की ओर से इस क्षेत्र में वामपंथी अतिवाद को दिया गया एक जोरदार झटका है। फिर भी इस उपलब्धि को प्रशासन की तात्कालिक तैयारियों का ही नतीजा नहीं माना जा सकता। इसके पीछे कई वर्षों से किए जा रहे प्रयासों की भी भूमिका है। इस बीच न केवल माओवाद प्रभावित कई दुर्गम इलाकों को सड़कों से जोड़ने का काम किया गया है बल्कि खासतौर पर पिछले पांच-सात वर्षों में सुदूर इलाकों में पुलिस कैंप लगाए गए हैं। यह अहम साबित हुआ है। इससे सुरक्षा बलों की टुकड़ियों को मौके पर पहुंचने के लिए ज्यादा दूरी नहीं तय करनी पड़ती। लिहाजा वे जल्दी पहुंच जाती हैं और माओवादियों को तैयारी करने का ज्यादा वक्त नहीं मिलता।

इस संदर्भ में ध्यान देने लायक बात यह भी है कि पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों का रुख पहले के मुकाबले ज्यादा आक्रामक हुआ है। यह सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में मारे जाने वाले माओवादियों की संख्या से भी स्पष्ट होता है। साल 2024 के इन साढ़े तीन महीनों में ही छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के हाथों 79 माओवादी मारे जा चुके हैं जबकि 2023 में पूरे साल के दौरान यह संख्या महज 22 थी। पहले भी माओवादियों के खिलाफ बड़े अभियान हुए हैं। लेकिन एक बड़ा फर्क यह दिखता है कि माओवादियों की तरफ से वैसी जवाबी कार्रवाई नहीं हो रही जैसी पहले हुआ करती थी। इसे इस बात का संकेत माना जा रहा है कि माओवादियों की कमर टूट चुकी है। अगर यह सच है तो भी यह सुनिश्चित करना होगा कि यह दोबारा मजबूती न हासिल कर ले और इसके लिए सुरक्षा बलों की कार्रवाई काफी नहीं है। इसके साथ-साथ सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच भी बढ़ानी होगी।

कुछ नया, कुछ अलग •

दया और करुणा की शक्ति एक अच्छे जीवन की संभावना को उजागर करती है

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

एक अच्छे जीवन की तलाश में, हम अक्सर खुद को धन, सफलता और व्यक्तिगत उपलब्धियों के आकर्षण में फंसा हुआ पाते हैं। हालाँकि, सच्ची संतुष्टि और खुशी दयालुता और करुणा के सरल कार्यों में निहित है जो हम दूसरों के प्रति करते हैं। आज में आपसे अपने व्यक्तिगत जीवन और हमारे आस-पास की दुनिया पर इन गुणों के अमूल्य प्रभाव कैसे होते है, इस विषय पर बात करना चाहता हूँ।

दया वह निर्विवाद आधार है, जिस पर हमारे कार्य सकारात्मक प्रभाव पैदा कर सकते हैं। मदर टेरेसा ने बड़ी खूबसूरती से इसका सार समझाया है ''दयालु शब्द छोटे और बोलने में आसान हो सकते हैं, लेकिन उनकी गूँज वास्तव में अंतहीन होती है।'' दयालु भाव रखकर, हम न केवल दूसरों का उत्थान करते हैं बल्कि अपने स्वयं के विकास और संतुष्टि को भी बढ़ावा देते हैं।

करुणा हमें दूसरों के साथ गहरे संबंध स्थापित करने की प्रेरणा देती है, साथ ही हमारे अंदर पड़ी हुई मानवता को उजागर करती है। करुणा में बाधाओं को तोड़ने, घावों को भरने और अधिक सामंजस्यपूर्ण समाज बनाने की शक्ति है। जैसा कि हमारे महात्मा गांधीजी ने हमे जीवन पर का रास्ता दिखाने के लिए व्यक्त किया है, 'दया और करुणा जैसा एक सरल कार्य, प्रार्थना में झुके हुए हज़ार सिरों से कहीं अधिक शक्तिशाली होता हैं।'

दया और करुणा के कार्यों के माध्यम से, हम अपनी भलाई और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाते हैं। दया एक ऐसी भाषा है जिसे बहरे सुन सकते हैं और अंधे देख सकते हैं। निःस्वार्थ कार्यों में संलग्न होकर, हम पूर्णता और संतुष्टि की भावना को उजागर करते हैं, जो व्यक्तिगत उपलब्धियों से परे है। अक्सर, हम एक स्पर्श, एक मुस्कान, एक दयालु शब्द, एक सुनने वाला कान, एक ईमानदार प्रशंसा, या देखभाल के सबसे छोटे कार्य की शक्ति को कम आंकते हैं, जिनमें से सभी में जीवन को बदलने की क्षमता होती है।

दया और करुणा में समझ, सहानुभूति और स्वीकृति से भरी दुनिया बनाने की क्षमता है। एक इंसान उस पूरे ब्रह्मांड का एक हिस्सा है जिसे हम समय और स्थान में सीमित हिस्सा कहते हैं। वह खुद को, अपने विचारों और भावनाओं को बाकी लोगों से अलग कुछ के रूप में अनुभव करता है, अपनी चेतना का एक प्रकार का ऑप्टिकल भ्रम। यह भ्रम हमारे लिए एक तरह की जेल है, जो हमें हमारी व्यक्तिगत इच्छाओं और हमारे सबसे करीबी कुछ लोगों के प्रति स्नेह तक सीमित कर देती है। हमारा काम सभी जीवित प्राणियों और पूरी प्रकृति को उसकी सुंदरता में शामिल करने के लिए अपनी करुणा के दायरे को बढ़ाकर खुद को इस जेल से मुक्त करना होना चाहिए और एक इंसान के रूप में यही हमारी उपलब्धि है।

दया और करुणा केवल छोटा मोटा क्रिया कार्य नहीं हैं। वो जीवन जीने का तरीका बन जाना चाहिए, जो हमारे अस्तित्व के ताने-बाने में समाहित हो। जीवन की यात्रा के दौरान हमारी मानवीय करुणा हमें एक-दूसरे से जोड़ती है - दया या संरक्षण के भाव से नहीं, बल्कि ऐसे मनुष्य के रूप में जिसने अपने साझा दुखों को भविष्य के लिए आशा में बदलना सीख लिया है।

दया और करुणा की खेती करके, हम खुद को एक गहन, पूर्ण और सार्थक अस्तित्व के लिए तैयार करते हैं। आइए हम इन गुणों को चुनने और एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए खुशी और समझ फैलाने के लिए प्रतिदिन प्रयास करें - शुरुआत आज से, अभी से और अपने आसपास के लोगो से ही करें।

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

मानव का सहज स्वभाव है - ध्यान

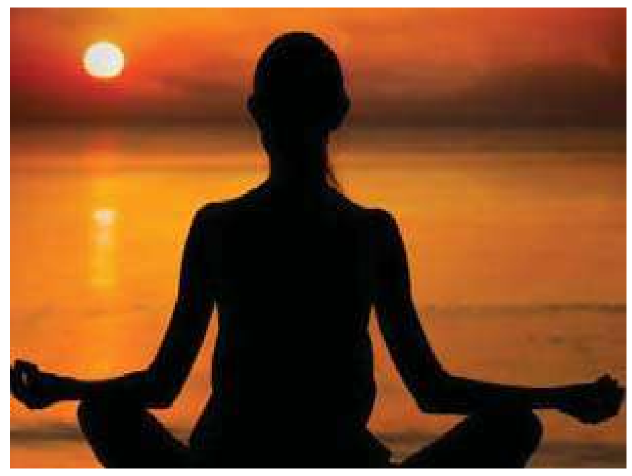

महर्षि रमण के शब्दों में - ध्यान तुम्हारा सच्चा स्वभाव है। तुम उसको 'ध्यान' का नाम दे देते हो। इस अवस्था से तुम्हें विचलित करते हैं तुम्हारे विचार। जब ये विचार हट जायेंगे तब तुम अकेले बाकी रह जाओगे अर्थात विचारमुक्त ध्यानावस्था में स्थाई रूप से निवास करोगे। यही तुम्हारा सच्चा स्वभाव है। इन विचारों को दूर करने की प्रक्रिया को ध्यान कह देते हैं। ध्यान में सब तरह के विचार उठा करते हैं। ये वही विचार हैं जो तुम्हारे अंदर छिपे हुए हैं, उन्हें बाहर निकालना ही होगा। यदि वे नहीं निकलेंगे तो उनका नाश कैसे होगा? ये विनष्ट होने के लिए ही उठते हैं। इस प्रकार विचारों के नाश होने पर मन निर्विकार हो जाता है। जो कुछ काम करो, वह तुम्हारा नहीं है, ऐसा ख्याल अपने समक्ष रखो तो ये विचार मन में जमेंगे ही नहीं। अतः पुराने संचित विचारों को निकालने के लिए ध्यान में पहले कठिन प्रयत्न करना आवश्यक है, परंतु धीरे- धीरे यह सहज और स्थिर बन जाएगा। काम अपने आप चलता रहेगा और तुम्हारी शांति निश्चल टिकी रहेगी।

मन में विचारों का विक्षेप हटाने के लिए भजन (अनासक्ति) एवं बुद्धि में स्थिरता हेतु सुमिरन (ध्यान) की साधना विशेष उपयोगी है। मानस में भगवान को 'प्रकृति पार' और 'सब उरवासी' कहा गया है। भगवान की प्रकृति अष्टधा है। पंचभूत शरीर और मन-बुद्धि-अहं इन आठों से ऊपर अथवा पार भगवान से जुड़ने के लिए सुमिरन (ध्यान) की साधना है। वही प्रकृति -पार प्रभु सभी जीवधारियों में भी साकार है इसलिए भगवान के इस रूप की सेवा करना ही भजन है। भजन के लिए साधक में यह भाव होना चाहिए कि यह जगत मेरे सेव्य राम का ही रूप है और मैं इन जगन्निवास - विश्वात्मा स्वामी का सेवक हूं - 'मैं सेवक सचराचर रूप स्वामि भगवन्त' सुमिरन-भजन की इस साधना को एक पतिव्रता स्त्री के रूपक से इस तरह समझा जा सकता है। भाँवर पड़ते ही कन्या यह मान लेती है कि जिनके साथ मेरी भाँवर पड़ी हैं, ये मेरे हैं और मैं इनकी हूं। इस आत्म-स्वीवमति रूपी समर्पण में कन्या को कोई भी किया नहीं करनी पड़ती। इस अपनत्व को आगे बनाये रखने के लिए भी उसे किसी तरह का कोई भी प्रयास नहीं करना पड़ता, लेकिन सम्बन्ध जुड़ जाने के बाद उसे अपने पति और उसके घर परिवार का काम जीवन भर करना पड़ता है। घर की सफाई, खाना पकाना, सास-ससुर की सेवा आदि सभी कार्य वह पति के नाते ही करती है। रात्रि को वह पति की चरण सेवा करती है, यह उसकी एकनिष्ठ पति-सेवा है। इसी तरह हम ध्यान के बार -बार के अभ्यास से प्रकृति पार प्रभु से जुड़ते हैं, यह पत्नी द्वारा पति की एकनिष्ठ एकान्त चरण-सेवा के समान है तथा अन्य प्राणियों की सेवा करना पत्नी द्वारा पति के घर के काम करने के समान है। पतिव्रता पत्नी की तरह भगवान के प्रति समर्पण यद्यपि कठिन है किन्तु ऐसा हो जाने पर प्रभु सेवा के कार्य स्वतः होते हैं। लेकिन जब तक ऐसा न हो तब तक हम जब कोई काम करें, उस समय वह हमारा नहीं है, अपितु भगवान का काम है, यह विचार अवश्य बना लेना चाहिए। यह विचार रखकर कार्य करने से मन अवश्य ही शांति और आनन्द की अनुभूति करेगा।

प्रकृति के पार जो भगवान हमारे भीतर व्याप्त हैं, वे अगणित विचारों या संस्कारों से ढके हुए हैं। जाग्रत अवस्था में विभिन्न परिस्थितियों, वस्तु, व्यक्ति अथवा घटना के सम्पर्क में आने पर इन सबके अनुकूल, प्रतिकूल प्रभाव हमारे मन में एकत्र हो जाते हैं और संस्कार के रूप में अंदर जमा हो जाते हैं। यही संस्कार हमको अपने आत्म स्वरूप से दूर कर देते हैं। ध्यान में जब हम आँख बंद करके बैठते हैं तो कभी दो दिन पहले की घटना का स्मरण आता है तो कभी दस वर्ष पहले की घटना उभरने लगती है। उभरने से पूर्व यह घटना दबी पड़ी थी और बिना निकले दबी ही रहती। इस तरह हमें ध्यान के अभ्यास से विचारों को निकलने का अवसर देना है। निष्क्रियता का अवसर पाते ही यह विचार स्वतः निकलने लगते हैं और इस तरह के निरन्तर सतत् अभ्यास से महर्षि रमण की वाणी को हम साकार होते देखेंगे कि 'जब इन विचारों को हटा दिया जायेगा तब तुम अकेले बाकी रह जाओगे अर्थात् विचारमुक्त ध्यानावस्था में रहोगे, यही तुम्हारा सच्चा स्वभाव है।' विचारों को दूर करने की क्रिया को ध्यान कहते हैं।

अंत में इतना और जान लें कि दिन में तीन बार बीस-बीस मिनट के लिए निष्क्रियता के अभ्यास के साथ-साथ सेवा तथा तप की भी अपनी अहम भूमिका है क्योंकि यदि सेवा की साधना द्वारा मन में अनासक्ति नहीं आयेगी तो विचारों का बनना कम नहीं हो पायेगा तथा तप की साधना के अभाव में शरीर की स्थूलता ध्यान में सफलता के प्रति बाधक बनी रहेगी।

ध्यान में सफलता के लिए शरीर, मन, बुद्धि की स्थूलता से सूक्ष्मता की ओर गति आवश्यक है। तप-सेवा-सुमिरन द्वारा भगवान की प्राण शक्ति, आह्लादिनी शक्ति, चेतना शक्ति और प्रेमा शक्ति को क्रमशः मल, आसक्ति, आवरण (अहंकार) और मिथ्या अपनत्व के विकारों से मुक्त करते हैं। जैसे केवल गंगा स्नान का महत्व भी कम नहीं है पर त्रिवेणी- संगम की बात ही कुछ और है। अतः तप-सेवा-सुमिरन रूपी त्रिवेणी में स्नान करके त्रितापों से मुक्ति प्राप्त करने पर साधक सारे काम करता हुआ भी ईश्वर में रमण करता है। यही सच्चा ध्यान है और यही मानव का वास्तविक स्वभाव है।

साभार : नारायण प्रश्नोत्तरी

पावरलूम बिजली सहूलियत की समस्या ऑनलाइन पंजीकरण बना रूकावट

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

कोल्हापुर में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को ज्ञापन सौंपते सांसद धैर्यशील माने और विनय महाजन।

पावरलूमधारकों को एक रूपया और 75 पैसे जाहीर की अतिरिक्त बिजली सहूलियत की घोषणा हुई। उसका अध्यादेश भी निकाला लेकिन उसके लिए ऑनलाइन पंजीकरण करना जरूरी बताया गया। उस पर 13 अप्रैल को कोल्हापुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री ने वस्त्रोद्योग सचिव को ऑनलाइन पंजीकरण को हटाने के लिए कहा, लेकिन शासन ने फिर से 15 अप्रैल को ऑनलाइन पंजीकरण का आदेश दिया। उस पर संताप व्यक्त होने पर फिर से वह आदेश रद्द करने का दूसरा पत्र बीते बुधवार को जारी किया गया। जिसके चलते पावरलूमधारकों को बिजली सहूलियत को लेकर चल रही बड़ी गडबड़ी सामने आ रही है। बीते पाँच-छः सालों से प्रलंबित होने वाली मांग को चुनाव के समय अमल करने की बात कही गई थी।

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 27 एचपी से नीचे बिजली का इस्तेमाल करने वाले पावरलूम व्यावसायिकों को 1 रूपए सहूलियत की घोषणा हुई, लेकिन 20 एचपी तक बिजली इस्तेमाल करने वालों को 75 पैसे यूनिट बिजली दर लागू करने का फैसला लिया गया, लेकिन उसको लागू करने में फिर से ऑनलाइन पंजीकरण की सक्ती की गई। उस पर सांसद धैर्यशील माने के कारण 13 अप्रैल को पावरलूम जाग्रति संगठन ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलकर ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया को हटाए बगैर बिजली सहूलियत का लाभ नही मिलेगा के बारे में जानकारी दी। जिससे मुख्यमंत्री ने वस्त्रोद्योग सचिव श्री वीरेंद्र सिंह को ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया को जल्द से हटाने के लिए कहा, लेकिन 15 अप्रैल को शासन की ओर से वस्त्रोद्योग प्रादेशिक उपायुक्त श्री दीपक खांडेकर ने निकाले आदेश में कहा कि पावरलूमधारकों को सहूलियत मिलने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा, ऐसा कहा गया। उसके बाद 15 अप्रैल को खांडेकर ने रद्द किया लेकिन उसमें ऑनलाइन पंजीकरण हटाने की बात नही कहीं गई है।

रेडीमेड व प्रिंटेड में ग्राहकी जबरदस्त

ब्यावर/ अनिल डोसी

वैवाहिक सीजन से मार्केट में ग्राहक अच्छी खरीदी कर रहे हैं। बैस, सलवार सूट्स, ड्रेस मटीरियल शर्टिंग प्रिंटेड व रेडीमेड, सूटिंग फैंसी का चलन ज्यादा है। टेरी रूबिया, वुली प्लेन व प्रिंट चुन्दरी, इण्डो प्रिंट साटन व राजपूती ड्रेसेज का चलन है। प्रिंटेड साड़ियों का चलन अच्छा है। पेमेंट की आवक ठीक है।

Yarn Rate+GST

यार्न रेट्स 20 अप्रैल, 2024

C.T.M.

PH. 247511, 247512, 9829045130

2/30 NTBL	214
2/18 Dyed	174
2/40 Dyed	254
2/30 Frosted	212
2/30 Dyed Slub	214
2/30 School Dress Clourer	214

R.T.M

PH. 24766, 9829046404

2/30 Dyed Ntbl	218
2/40 Dyed	258
2/30 Frosted	216

Birla Tex Mills

2/18 Dyed	99

SRM Spinners

Mob. 8078660873

2/18 PV Diamond	145
2/18 PV Navy 85:15	155
2/18 PV Black 70:30	152
2/18 R Navy 70:30	168
1/15 Poly Black	105
20 PV Black	133
15 PV Black	132

GRASIM INDUSTRIES LTD.

PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	230
2/40 Dyed	270
2/50 Dyed	335

PANIPAT YARN

Mob: 9416031498

TEXTURISE	
150 Roto Grey	115-149
150 Roto Black	121-162
150 Roto Bright	135-152
150/250 Grey	126-168
150/250 Dyed	140-189
150 Fdy	139
P.V. Yarn	
2/20 Grey CL	122
2/40 POLY	170
2/15 Poly Grey	118
2/20 Poly CL	-----
20 Poly CL	116
Cotton Yarn	
4 CONE	60-102
6 CONE	89-150
10 CONE	94-195
2/4 CONE	90-150
2/6 CONE	96-168
2/8 CONE	95-178
2/10 CONE	112-208
2/20 CONE	225-280
2/30 CONE	305-412
2/40 CONE	288-379
STAPLE YARN	
10 CONE	188
15 CONE	194
20 CONE	200
2/15 CONE	205
2/40 CONE	255

VISAKA IND. LTD.

PH. 93514-27900

2/20 Poly Grey	163
2/24 Poly Grey	168
2/30 Poly Gray	175
2/40 Poly Grey	198
2/60 Poly Gray	258
2/76 Poly Gray	320
2/30 PV Black	220
2/40 PV Black	260
2/30 PV HD Dyed	245

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.

PH. 99358-27000

Ankur	
2/30 P/V	148
2/30 P/V	176
1/30 P/V	156
Janvi	
1/15 Psy	121
Triveni	
2/40 PV	202
2/30 PV	---
Mahabir	
15 PV	---
20 PV	---

Inclusive of 12 % GST

NEETA YARNS

Ph. 022-28335766, 093246-70428
(M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg

30/62 Alpine	215
2/60 PVT	215
2/60 Polyster	230
2/80 PC Combed	320
2/76 Polyster	375
2/60 P.V.	265

MODTEX TEXTURISERS

PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	194+GST
150 HIM Cone Dyed	183+GST
300 HIM Cone Dyed	182+GST
450 ATY fancy Cone	------
300 Black B. Cone Dyed	....
240 Lighting 100% Cone Dyed	....

PAWAN ENTERPISES

9414111656

Triveni Spinning	
1/15 Pv. 70/30 Z Black@	146
2/30 pv 70/30 Z Black@	180
2/40 Pv70/30 Z Black@	214
Vergine Quality	
1/15 Pv 70/30 Grey @	144
1/20 Pv 70/30 Grey	
2/15 Pv 70/30 Grey@	159
2/18 Pv 70/30 Grey @	164
2/30 Pv70/30 Grey@	186
1/15 Polyester Grey@	125
2/20 Polyester Grey @	145
2/30 70/30 Melange@	200
2/30 100% Viscose@	225
2/40 100% viscose@	255

Raghav Group

M. 94141-11402
Email: sheetal@raghavindia.com

Raghav Agency Trident Ltd.	
1/10 OE	164
1/14 OE	174
1/16 OE	178
1/20 OE	202
30 KW	255
30 CW	270
2/40 CW ELLY	264
40 CW COMPACT	370
50 CW COMPACT	415
Ankur Udyoug	
1/30 Polyester 100%	135+GST
1/20 Polyester 100%	130+GST
1/15 Polyester 100%	125+GST
Sidhartha Super Spinning Mills	
2/15 P/V Dyed OG	225+GST
2/18 P/V Black	165+GST
2/30 P/V Black	230+GST
LNJ DENIM	
6 OE	170
7 OE	172
10 OE	175
10 Lycra	250
10 Slub Lycra	270

HIND SYNTEX LTD.

PH. 247916, 94141-15916

2/15 Gray Blanded	165+GST
2/30 PV	175+GST
15S PV	150+GST
2/24 PV	170+GST
2/30 Polyester TFO	155+GST
2/20 Polyester TFO	145+GST

JAGDAMBA SPINNING YARN PRICES

POLYESTER ULTIMA YARN	
40s poly	165
15s poly	135
30s poly	145
40 poly @	158
30 poly @	142
24 poly @	136
20 poly @	132
15 poly @	127
12 poly @	124
10 poly @	122
8 poly @	119
PV YARN PRICES (70:30)	
2/30 pv @	180
2/20 pv @	170
2/15 pv @	165
40 pv @	179
30 pv @	163
24 pv @	157
20 pv @	153
18 pv @	151
15 pv @	148
10 pv @	143
MAGIC YARN	
2/47 PV Magic	190
2/32 PVT	156
2/32.PT.	146
2/47 Poly Magic	166
2/45 POLY MAGIC	168

Ratan Barjatiya Yarn Spinners P. Ltd.

PH. 94141 13144

2/60 pv	260
2/40 pv	185
2/30 pv	165
2/24 pv	160
2/20 pv	156
2/18 pv	160
2/15 pv	155
20 pv.	147
15 pv.	142
10 pv.	140
2/60 pv kk	281
2/40 pv kk	205
Nahar	
2/40 pv	200
2/30 pv	175
30 pv.	158
2/30 pv 65/35.	171
Formosa,nahar	
PV RECYCLED 70/30.	
2/30.	154
15.	131
100% POLY YARN	
2/40.	175
2/30.	148
2/24.	138
2/20.	138
2/15.	132
20.	127
15.	122
10.	119
8.	119
Less 1 rs cd	
RECYCLED POLY	
2/40.	148
2/30.	128
2/15.	111
15.	106. NAHAR
15.	103 SUPER
PVT YARN	
2/47	Poly Magic
2/45	Poly Magic
2/32	Pvt ,Pt
2/15	Black & White Spun
2/30	Grindel Spun Black White
2/30	Grindel Slub
BLACK YARN	
2/30 pv	161
2/18 pv.	141
2/15 pv	136
15 pv.	127
2/30 poly black	138
15 POLY black.	104

Please contact us for any enquiry
Bhavit Jain : Mob. 99292-13144

NB TEXTILE LLP (MADE IN INDIA)

Bhavit Jain
+91 99289 13144
JNB YARN MUMBAI

2/60 pv -	235
2/40 pv -	180
2/30 pv -	155
2/24 pv -	149
2/20 pv -	145
2/15 pv -	135
100% poly	
2/76 -	275
2/60 -	230
2/40 -	178
2/30 -	156
2/24 -	152
2/20 -	147
2/15 -	143
Recycled pv 70/30*	
2/30 pv -	158
Recycled poly	
2/40 -	159
2/30 -	137
2/20 -	131
2/15 -	125
PC YARN 65:35	
2/40 COMBED -	235
2/30 COMBED -	195
2/30 CARDED -	200
14 PC VIRGIN 65/35	-141
14 PC OE 50/50 -	134

Jain Lalit Dhaliwal

(9364100686) | (9364471001)
URVASHI AGENCY

Sulzer reyon 48”	
40 pick @	23/00
42 pick@	23/50
44 pick@	24/00
50 pick@	25/25
52 pick@	26/00
56 pick@	27/25
Airjet 48”	
40pick@	23/00
42 pick@	23/50
44 pick@	24/00
50 pick@	25/50
52 pick @	26/25
56-58pic@	27/50
58 pick pakka@	27/75
Slub48”	
@28/76 Sulzer bale or Roll	
Slub48”roll Airjet@	29/50
54” plain 68*58@	31/25,
56 pick@	30/75
54” slub	
airjet@	33/00
Reyon slub	
Slub 48”@	28/75
Slub,airjet @	30/00
63”@38/00 sulzer	
Slub 63”	
64 pick 63” airjet 39/50-*	
71” Plain	
68*58 @	43/00
71”HT	
68*46(44) @38/25 normal	
Mill goods pakka 46 pick pakka @39/25	
Cotton sattine 48”	
6060/128*68@	38/00
6060/144*66@	39/50
6060/165*80@	49/50
40c*40lycra	
46(44) pick airjet Roll@	55/-
Slub Lycra(Reyon)	
66”@	48/00
72”@	53/00
78”@	57/00
88” RS@	62/00
Slub Lycra	
Plain Lurex 48” 68*56@29/00 sulzer,	
airjet @30/00	
63” 68*58(56)silver 1cm Lurex Airjet@39/00	
HT Lurex 68*44 2CM 71”@41/00	
46 pick @42/-	
63” Plain Airjet	
44 pick 63” @	30/75
46 pick 63” @	31/50
50 pick 63”@	32/75 airjet
52 pick 63”@	33/50
56 pick 63”@	35/00
58 pick 63”@	35/75
3030/92*68 63”	
plain 205-210gm@	47/00
Cotton Popline & cambrick	
6060/92*88(86) 48”@	38/50
6060/92*88(86) 63”@/ (86 pick)	49/00
6060/165*104 63” sattine@69/00	
6060/132*104 63”@	69/-
6060/132*100 63”@	67/-
4040/132*72 63”@	69/-
4040/124*72 63”@	65/-
4040/124*64 63”@	61/-
4040/132*68 63”KK@	64/-
4040/120*72 K*K 63@	59/50
Cotton Flax 56*44(42) 63”@	74/-
Reyon Flax 56*44(42) 63”@	70/-

समाचार पत्र प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें।
MOBILE 9468835188, 417, 4th FLOOR, GOVINDAM COMMERCIAL COMPLEX
OLD RTO ROAD, BHILWARA-311001

कपड़ों की मांग नहीं बढ़ने से मैन्युफेक्चरिंग इकाइयों पर भारी दबाव

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

थोक कपड़ा बाजार में कारोबारी गतिविधियां ढ़ीली है। अभी भयंकर गर्मी के कारण बाजार में ग्राहकों का आना कम हो गया है। शादियों के मुहूर्त नही होने से फैंसी कपड़ों का उठाव कम हो गया है। मई एवं जून में शादियां बिल्कुल नहीं है। स्कूल यूनिफॉर्म और गर्मी के कपड़ों में ही अधिक से अधिक कारोबार होने की संभावना है। स्कूल यूनिफॉर्म की सीजन शुरू होने में इस बार देरी हुई है। इसलिए स्कूल यूनिफॉर्म कपड़ों में कुछ महीनों तक भरपूर काम होने की संभावना है। देशभर में लोकसभा चुनाव होने के कारण हाल नकदी का हेरफेर रूक गया है। परंतु खुदरा मार्केट में ग्राहकी को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। रिटेल बाजार में खरीदी का माहौल कमजोर है। कपड़ों में कारोबार किसी भी सीजन में बिक्री की कसौटी पर खरा नहीं उतर रहा है। इस बार रमजान शुरू होने के बाद ऐसा लग रहा था कि बाजार में ईद की ग्राहकी अच्छी रहेगी, लेकिन यहां भी जो कुछ कारोबार हुआ, वह अंतिम दिनों में ही हुआ है। ग्राहकी में अभी भी धारदार करेंट नहीं दिखाई दे रहा है, जबकि इन दिनों में बाजार में कपड़ों की अधिकता नहीं है। लूमों पर ग्रे कपड़ों का उत्पादन इतना ज्यादा घटा कि जो इसके पूर्व में कभी नहीं था। भिवंडी में रमजान के दिनों में ग्रे कपड़ों का उत्पादन सिर्फ 30 प्रतिशत लूमों पर ही हो रहा था, जबकि अधिकांश लूमों पर उत्पादन ठप्प पड़ा था।

कपड़ा उत्पादन

भिवंडी में पिछले एक महीने से लूमों पर उत्पादन क्षमता से बहुत कम हो रहा था। इस पर भी वीवरों को माल नहीं बिकने के कारण प्रति मीटर एक से दो रू. का नुकसान उठाना पड़ रहा था। ईद बीतने के बाद मुस्लिम कारीगरों की कारखानों में वापसी हो गई है। माना जा रहा है कि कपड़ों का उत्पादन फिर से सुचारू हो सकता है। लेकिन जिस ढंग से गर्मी पड़नी शुरू हुई है, ऐसे में पावरलूम इकाइयों में ग्रे सूती कपड़ों का उत्पादन क्षमता के साथ करना अत्यंत कठिन हो रहा है। कारण कि लूमों के शेड्स टीन के होने से कॉटन यार्न के तार टूटने के कारण उत्पादन कम उतर रहा है। कपड़ों के उत्पादन और माल की बिक्री कमजोर रहने का एक प्रमुख कारण माइक्रो, स्मॉल तथा मीडियम इंटरप्राइजेज अर्थात् एमएसएमई में पेमेंट के नये नियम जो एक अप्रैल से लागू किया गया है, उसमें 45 दिनों में पेमेंट देना होगा। इस नियम की अवहेलना करने वालों को देरी से पेमेंट करने पर भारी जुर्माना चुकाना होगा। इस कारण पेमेंट के सांयकल पर प्रभाव पड़ा है, जिससे फिलहाल माल की सप्लाई से पहले पेमेंट समय पर देने के लिए अधिक ध्यान दिया जा रहा है। माल की मांग और भुगतान के बीच जहां संतुलन बन रहा है, वहीं कपड़ों का उत्पादन से लेकर बिक्री में थोड़ी बहुत हलचल दिखाई दे रही है अन्यथा कारोबार मंदा है।

साड़ी के उत्पादन में सूरत देश के टॉप शहरों में शामिल है। लेकिन पिछले कुछ समय से मांग कम होने के कारण मैन्युफेक्चरिंग में गिरावट आई है। एक अप्रैल से साड़ी बनाने वाली इकाइयों में सप्ताह में सिर्फ तीन दिन काम हो रहा है। मजदूरों को प्रतिदिन के हिसाब से वेतन दिया जाता है। दूसरी ओर लूम मालिकों की ओर से मजदूरों को छुट्टी पर जाने की सलाह दी गई है। दिहाड़ी में कमी के कारण गुजारा नहीं हो रहा है। इसलिए मजदूरों का पलायन शुरू हो गया है। ऐसी रिपोर्ट है कि एक सप्ताह में 65 हजार मजदूरों ने पलायन किया है।

सूटिंग-शर्टिंग उत्पादन

सूटिंग पहले से ही मंदा है। मिलों के माल में सीमित कारोबार हो रहा है। मीडियम रेंज की सूटिंग की बिक्री कमजोर है तो वहीं ब्रांडेड एवं नामचीन मिलों की नई वैरायटी में मूवमेंट धीरे-धीरे बढ़ रहा है। शर्टिंग में कारोबार कम परंतु भाव स्थिर है। प्लेन शर्टिंग में उठाव है, जिसमें सोबर डिजाइन प्लेन शर्टिंग में ग्राहकी रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि प्लेन शर्टिंग का उत्पादन कम हो गया है और इसमें कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होने से माल का हेरफेर होता रहता है। पहले 36 इंच पन्ने में शर्टिंग अधिक बनती और बिकती थी, लेकिन आधुनिक लूमों का उपयोग बढ़ने से ऐसी शर्टिंग का उत्पादन करने वाले वीवर्स कम हो गए है। बड़े पन्ने में शर्टिंग उत्पादन की सुविधा अधिक होने से उत्पादन बढ़ा है। यार्न डाईड शर्टिंग में इसी तरह की स्थिति है। यार्न डाईड शर्टिंग का उत्पादन कम होने से इस वैरायटी की मांग है। परंतु यार्न डाईड का उत्पादन कुछ बड़े वीवर्स तक सीमित होने से इसमें डिजाइन की विविधता कम हो गई है। प्रिंटेड शर्टिंग का उठाव पहले की तुलना में कुछ कम हो गया है। कारण कि जैसे ही अच्छी क्वालिटी कपड़ों पर प्रिंट बाजार में आता है, वैसी ही प्रिंट हल्के कपड़ों में कर जल्दी से बाजार में उतार दिया जाता है। तथापि डिजिटल प्रिंट में कारोबार अच्छा है। इसमें प्रिंट की सुविधाएं अधिक होने से डिजिटल प्रिंट की ओर रूझान बढ़ रहा है। स्कूल यूनिफॉर्म में सूटिंग और शर्टिंग दोनों में अच्छे कारोबार की उम्मीद से उत्पादकों एवं व्यापारियों की ओर से व्यापक तैयारियां की गई है। इंतजार एक अच्छी ग्राहकी निकलने की है। लेकिन स्कूल यूनिफॉर्म में भरपूर स्टॉक होने से बिकवाली का भारी दबाव है। इतना ही नहीं एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में सूटिंग का भाव 15 से 18 प्रतिशत और शर्टिंग का भाव 5 प्रतिशत कम है। भीलवाड़ा के मालों का भाव मुंबई की तुलना में हमेशा 20 प्रतिशत तक कम रहे हैं। इस बार स्कूल यूनिफॉर्म के अग्रणी समूहों से व्यापारियों ने स्कीम और डिस्काउंट के कारण अधिक स्टॉक खरीद लिया है, जिसे अब लागत भाव पर बेंचा जा रहा है।

लग्न-सावा पर धुआंधार ग्राहकी

सतना/ बलराम शुक्ला

इस बार ऐसा नहीं लग रहा था कि व्यापार ज्यादा चलेगा, व्यापारी ज्यादा उत्साहित नहीं थे ज्यादातर लोग यही कह रहे थे। चुनाव होने से व्यापार पर फर्क पड़ेगा इसका पहले तो विधानसभा और अब लोकसभा चुनाव के कारण व्यापारी ज्यादा नकदी लेकर नहीं चल सकता है। टोल नाकों में चैकिंग चल रही है, जिससे देशावर के व्यापारी ज्यादा परेशान है तथा गांव का व्यापारी आज भी चैक से पेमेंट नहीं करता है ज्यादातर नकदी ही देता है। व्यापार सभी को करना है, लेकिन सब परेशानियां व्यापारियों के ऊपर ही आती है। इस समय चुनाव है और वैवाहिक सीजन भी है। सभी बसें सरकार ने ले रखी है, ट्रेनों में पैर रखने की जगह तक नहीं है, आवागमन में बहुत तकलीफ होती है। किसान किसानी पर लगा है उसके बाद भी व्यापार बहुत अच्छा चल रहा है। लोगों को उम्मीद नहीं थी कि एमएसएमई के कारण थोक विक्रेता व्यापारियों ने माल का ज्यादा स्टॉक भी नहीं किया है। बाजार में फैंसी मालों की कमी है लेकिन व्यापार तेज गति से चल रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में शाम को अपने स्वयं के वाहन से आता है। जरूरत मुताबिक माल खरीदकर अपनी गाड़ी में लोड कर चला जाता है

Postal Registration No BHILWARA/208/2024-2026 RNI Registration No. 71772/98

कॉटन यार्न की तेजी को लगा ब्रेक : भाव नीचे लुढ़के

मुंबई / रमाशंकर पाण्डेय

कॉटन यार्न के बढ़ते भाव पर फिलहाल रोक लग गया है। हाजिर बाजार में रूई के भाव घटने के बाद कॉटन यार्न के भाव नीचे लुढ़क गए है। यद्यपि जिस अनुपात में कॉटन यार्न की तेजी थी, उस अनुपात में भाव नहीं घटे हैं, लेकिन बाजार नीचे खिसक गया है। वहीं क्रूड तेल के भाव बढ़ने के आसार से पॉलिएस्टर यार्न तथा अन्य सिंथेटिक यार्न के भाव निकट समय में करवट ले सकते हैं, ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि अभी सिंथेटिक यार्न की मांग अधिक नहीं है। यार्न में सबसे अधिक मांग कॉटन यार्न की रही है। लूमों पर श्रमिकों के लौटने के बाद कहा जा रहा है कि अब कपड़ों का उत्पादन जोर पकड़ सकता है, इस कारण कॉटन यार्न की मांग भी बढ़ सकती है। बाजार सूत्रों का कहना है कि पिछले दिनों में कॉटन यार्न बिना किसी बडी डिमांड के 10 से 15 रू. किलो तक बढ़ा तथा भाव बढ़ने से स्पिनिंग मिलों को राहत मिली थी। स्पिनिंग मिलों में यार्न का उत्पादन बनाए रखने में भाव वृद्धि मददगार साबित हो रही थी। इसी तरह का ट्रेंड पॉलिएस्टर तथा विस्कोस जैसे यार्न में दिखाई दिया था, जब भाव प्रति किलो 2 से 3 रू. तक सुधरे थें। अब कॉटन यार्न नीचे आ गया है, लेकिन आगे कपड़ों की मांग देश की मंडियों में अच्छी रहने की संभावना है, जबकि कपड़ों का हाजिर स्टॉक कम उत्पादन के कारण घट गया है। इसलिए उत्पादन बढ़ने की संभावना को देखते हुए कॉटन यार्न के भाव अधिक समय तक नीचे की ओर नहीं रह सकते हैं। स्पिनिंग इकाइयों में सीमित यार्न उत्पादन को रूई के घटते भाव के कारण फिर से पटरी पर लाने की संभावना बढ़ गई है। स्पिनिंग मिलों की अपेक्षा पहले से ही थी कि रूई के भाव ऐसे स्तर पर स्थिर होने चाहिए, जिससे यार्न उत्पादन की लागत अधिक नहीं हो और बाजार में कॉटन यार्न के भाव उचित स्तर पर हो ताकि यार्न की मांग में कोई रूकावट नहीं हो। कॉटन यार्न के भाव में बार-बार होते उतार-चढ़ाव का सबसे बुरा खामियाजा छोटे स्तर के वीवर्स को उठाना पड़ता हैं, जो आर्थिक दृष्टि से बहुत मजबूत नहीं है और भाव घटने पर तैयार ग्रे कपड़ों को कम भाव पर बेंचने के लिए मजबूर हो जाते हैं, क्योंकि उनकी होल्डिंग क्षमता बहुत अधिक स्टॉक रोककर रखने की नही होती है।

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए वी.के. प्रिण्टर्स, बी-36-ए, सुदर्शन पुरा, इण्डस्ट्रियल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। **संपादक-योगेन्द्र शर्मा।**

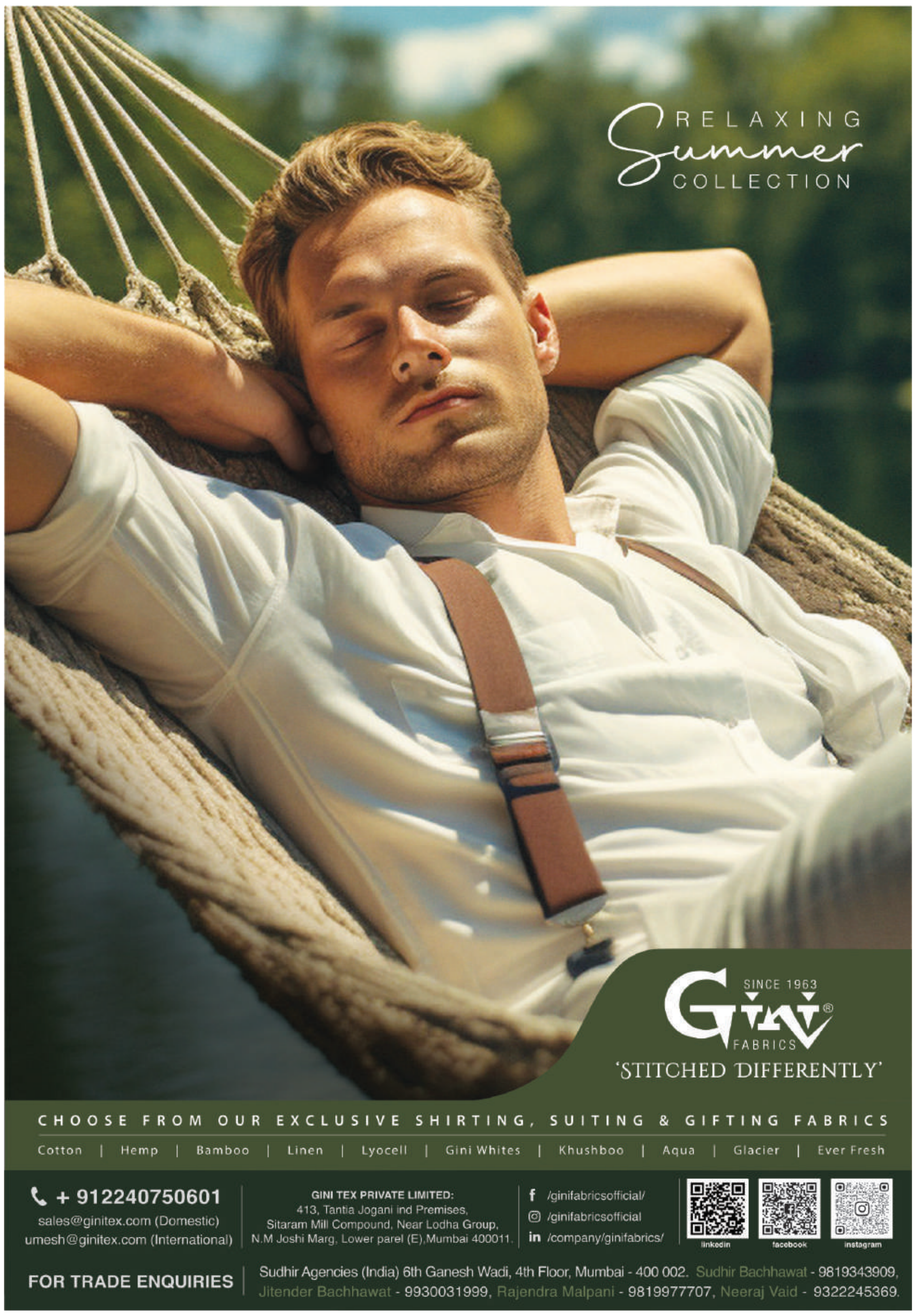
RELAXING
Summer
COLLECTION
SINCE 1963
Gini FABRICS
'STITCHED DIFFERENTLY'
CHOOSE FROM OUR EXCLUSIVE SHIRTING, SUITING & GIFTING FABRICS
Cotton | Hemp | Bamboo | Linen | Lyocell | Gini Whites | Khushboo | Aqua | Glacier | Ever Fresh
+ 912240750601
sales@ginitex.com (Domestic)
umesh@ginitex.com (International)
GINI TEX PRIVATE LIMITED:
413, Tantia Jogani ind Premises,
Sitaram Mill Compound, Near Lodha Group,
N.M Joshi Marg, Lower parel (E),Mumbai 400011.
/ginifabricsofficial/
/ginifabricsofficial
/company/ginifabrics/
linkedin
facebook
instagram
FOR TRADE ENQUIRIES
Sudhir Agencies (India) 6th Ganesh Wadi, 4th Floor, Mumbai - 400 002. Sudhir Bachhawat - 9819343909, Jitender Bachhawat - 9930031999, Rajendra Malpani - 9819977707, Neeraj Vaid - 9322245369.

Sangam®
SUITINGS
YOU ARE WHAT YOU WEAR
Value through values
spunshades
by Birla Cellulose
SANGAM (INDIA) LTD. Atun,
Chittorgarh Road, BHILWARA - 311001 (Raj.) India
E-mail : coordinationsales@sangamgroup.com, Visit us at www.sangamgroup.com, Phone: +91-1482-245500

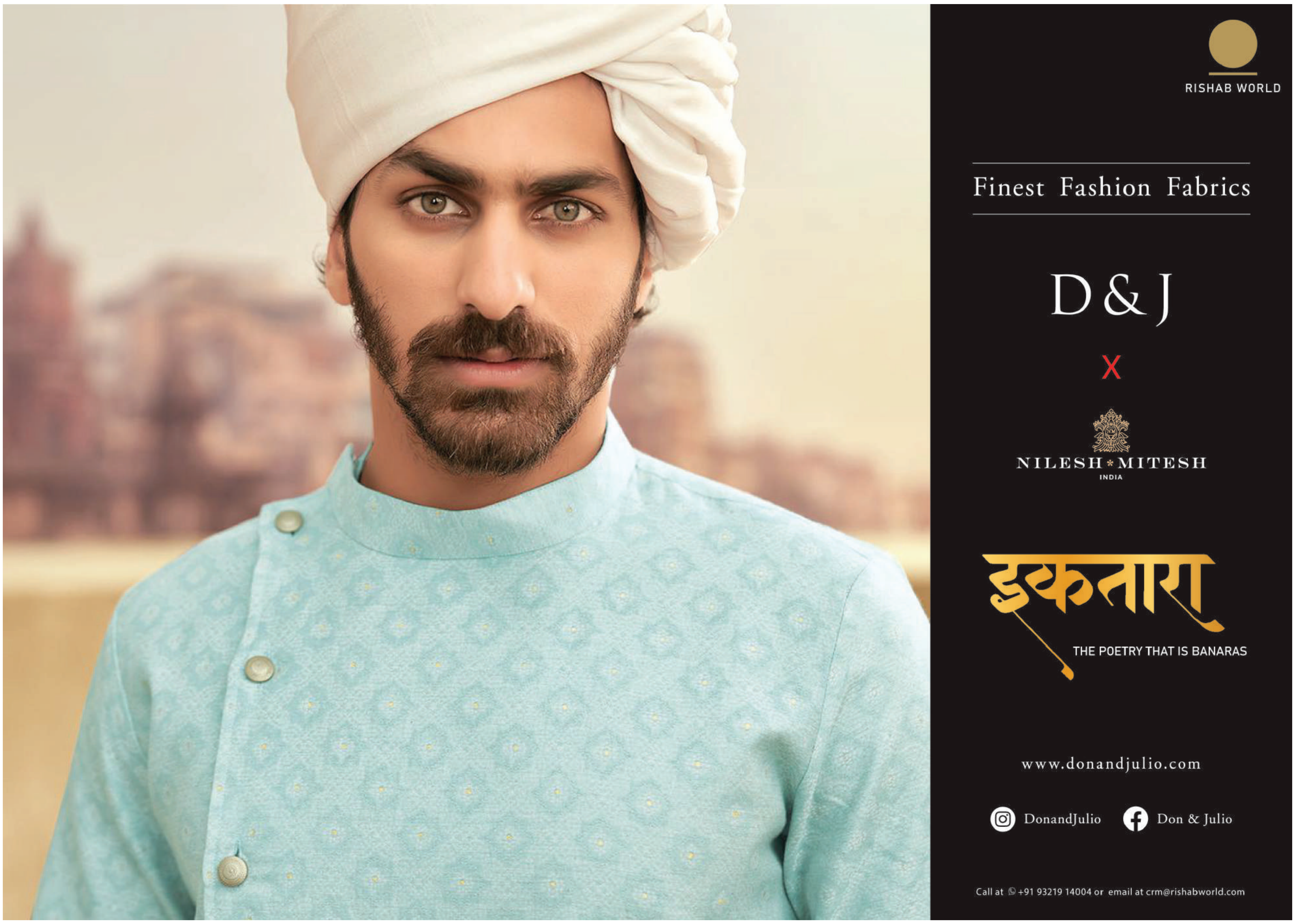
RISHAB WORLD
Finest Fashion Fabrics
D & J
X
NILESH MITESH
INDIA
इकतारा
THE POETRY THAT IS BANARAS
www.donandjulio.com
DonandJulio
Don & Julio
Call at +91 93219 14004 or email at crm@rishabworld.com

21-24 मई 2024 को अहमदाबाद में प्रस्तावित एग्जीबिशन

फैबेक्सा - फैब्रिक सोर्सिंग का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म

गारमेंट फैब्रिक मैन्युफेक्चरर्स करेंगे नए डवलपमेंट्स का भव्य सामूहिक डिस्प्ले

अहमदाबाद/ सत्यप्रकाश...स्थानीय कपड़ा मार्केट के सबसे पुराने एवं मजबूत संगठन **'मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन'** द्वारा आगामी 21-24 मई, 2024 को गांधीनगर (अहमदाबाद) स्थित हैलीपेड ग्राउण्ड में फैबेक्सा - फैब्रिक सोर्सिंग एक्सपो के 9वें संस्करण का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 118 वर्षों से अहमदाबाद टेक्सटाइल इण्डस्ट्री की समृद्धि एवं विकास में सहयोगी संगठन मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन (MCMM) ने अहमदाबाद में निर्मित हो रहे फैब्रिक्स की हर गारमेण्ट उत्पादक मण्डी में पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फैबेक्सा - एग्जीबिशंस की शुरुआत की। इस बार फिर से इस एग्जीबिशन का आयोजन अहमदाबाद में ही किया जा रहा है। जिसमें अहमदाबाद, मुंबई आदि उत्पादक मण्डियों के टॉप गारमेण्ट फैब्रिक्स एवं एसेसरीज सप्लायर्स बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं। मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन की तरफ से अब तक 8 एग्जीबिशंस अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली आदि मण्डियों में सफलतापूर्वक की जा चुकी है। गारमेण्ट इण्डस्ट्री में अहमदाबाद कपड़ा मण्डी के बढ़ते प्रभाव के मद्देनजर यहां के गारमेण्ट फैब्रिक उत्पादकों की मांग को देखते हुए फेयर कमेटी ने फैबेक्सा के 9वें संस्करण का आयोजन अहमदाबाद में ही करने का निर्णय लिया है। MCMM के यशस्वी प्रेसीडेण्ट श्री गौरांग भगत के नेतृत्व में फैबेक्सा फेयर कमेटी के सभी पदाधिकारी इस एग्जीबिशन के आयोजन में अहम भूमिका निभा रहे हैं। वाइस प्रेसीडेण्ट श्री कांतिलाल संघवी सहित फैबेक्सा फेयर कमेटी के चैयरमेन श्री अमीष शाह, कॉ-चैयरमेन श्री सोनू टेकवानी, सेक्रेटरी श्री अंकित सेठ सहित सभी कमेटी मेंबर्स एग्जीबिशन के सफल आयोजन के लिए एकजूट होकर काम कर रहे हैं।

फैबेक्सा एग्जीबिशंस बनी गारमेण्टर्स के लिए सोर्सिंग हब

श्री कांतिलाल संघवी

'देश के गारमेण्ट उद्योग में अहमदाबाद का शुरू से ही वर्चस्व रहा है। यहां के पुराने टेक्सटाइल उद्यमियों के अनुभव एवं युवा उद्यमियों की कठिन मेहनत के परिणामस्वरूप देश की हर गारमेण्ट मण्डी में अहमदाबाद में निर्मित कपड़े का उपयोग हो रहा है। मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन द्वारा फैबेक्सा फेयर्स के आयोजन से यहां की इण्डस्ट्री को और मजबूती मिली है।' यह विचार व्यक्त करते हुए MCMM के वाइस प्रेसीडेण्ट एवं EMKAY ग्रुप के चैयरमेन श्री कांतिलाल संघवी ने फैबेक्सा - एग्जीबिशन में भाग लेने वाले सभी एग्जीबिटर्स को बधाई देते हुए कहा कि फैबेक्सा के 9वें संस्करण तक पहुंचने में अहमदाबाद के सभी फैब्रिक निर्माताओं का अहम योगदान रहा है, साथ ही ऑल इण्डिया के गारमेंट निर्माताओं से मिले अभूतपूर्व सहयोग के लिए भी हम आभारी है। इस बार के आयोजन में सभी एग्जीबिटर्स नये-नये फैब्रिक डवलपमेंट्स पेश करने वाले हैं जिसका फायदा देश की गारमेंट इण्डस्ट्री को जरूर उठाना चाहिए। श्री संघवी ने कहा कि एग्जीबिशन के निमंत्रण देश की सभी गारमेण्ट मण्डियों में भेजे जा रहे हैं। सभी छोटे-बड़े रेडीमेड गारमेण्ट निर्माताओं के लिए ट्रेवलिंग एवं अन्य सुविधाओं के विशेष इंतजाम भी किए जा रहे हैं।

फेस्टिव एवं विण्टर सीजन के लिए पेश करेंगे नये डवलपमेण्ट्स

श्री अंशुल सोनीगरा

'फैबेक्सा' एग्जीबिशन के व्यापक स्तर पर आयोजन को लेकर खासे उत्साहित युवा उद्यमी भावाना प्रोसेसर्स के डायरेक्टर श्री अंशुल सोनीगरा ने बताया कि आगामी फेस्टिव एवं विण्टर सीजन की जमकर तैयारी कर रहे हैं। एग्जीबिशन में हमारी कंपनी की ओर से मेन्स, वूमेन्स एवं किड्स वियर गारमेण्ट्स के लिए विशाल फैब्रिक रेंज का डिस्प्ले किया जाएगा। कॉटन डिजिटल प्रिंट्स, फॉयल, फ्लोकिंग, वेल्वेट जैसी समस्त वैरायटीज में नई-नई डिजाइंस प्रस्तुत की जाएगी। देश की सभी गारमेण्ट उत्पादक मण्डियों के डिफरेंट टेस्ट को ध्यान में रखते हुए हम एकदम फ्रेश एवं डिफरेंट रेंज के साथ फेयर में प्रजेंट रहेंगे।

रेडीमेड गारमेण्टर्स के लिए फैब्रिक सलेक्शन का अच्छा मौका

श्री आयुष संघवी

युवा उद्यमी एवं धर्माजी टेक्सटाइल प्रा. लि. के डायरेक्टर श्री आयुष संघवी ने बताया कि फैबेक्सा एग्जीबिशंस देश की गारमेण्ट इण्डस्ट्री के लिए फैब्रिक सोर्सिंग का बेस्ट प्लेटफॉर्म बन चूकी है। अब तक हुई सभी एग्जीबिशंस को अपेरल सेक्टर की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। चार साल बाद फिर से 'फैबेक्सा' एग्जीबिशन के अहमदाबाद में आयोजन से हम काफी उत्साहित है। हम अपनी कंप्लीट प्रॉडक्ट रेंज के साथ इसमें भाग लेने जा रहे हैं। कॉटन सूटिंग्स में नये क्रिएशन पेश करने वाले हैं। वहीं निटेड फैब्रिक्स में व्यापक रेंज का समावेश रहेगा। प्लेन, डिजाइंस, डोबीज जैसी समस्त रेंज सहित आरएफडी कॉटन फैब्रिक्स में भी नवीन रेंज का डिस्प्ले किया जाएगा।

एग्जीबिशन के आयोजन से अहमदाबाद में उत्साह का माहौल

फैबेक्सा-फैब्रिक सोर्सिंग एक्सपो के 9वें संस्करण के अहमदाबाद में आयोजन को लेकर गारमेण्ट फैब्रिक निर्माताओं में उत्साह का माहौल है। आगामी सीजन की तैयारी के लिए सभी फैब्रिक निर्माताओं द्वारा नये डवलपमेण्ट्स किये जा रहे हैं। जिनका डिस्प्ले एग्जीबिशन में किया जाएगा। सभी तरह के मेन्स, वूमेन्स एवं किड्स अपेरल्स के लिए गारमेण्ट फैब्रिक निर्माता पूरी तैयारी के साथ एग्जीबिशन में भाग लेने जा रहे हैं। कॉटन एवं ब्लेंडेड सूटिंग-शर्टिंग फैब्रिक सहित निटेड फैब्रिक, डेनिम, ग्रे, रेयॉन इत्यादि प्रकार के फैब्रिक्स की नवीनतम रेंज का भव्य सामुहिक डिस्प्ले इस बार नेक्स्ट लेवल पर होने जा रहा है। देश के रेडीमेड गारमेंट निर्माताओं के लिए फैब्रिक सोर्सिंग का यह सुनहरा अवसर होगा, जो फैब्रिक एवं गारमेण्ट निर्माताओं के लिए असीमित व्यापार के द्वार खोलेगा। आगामी फेस्टिव एवं विण्टर सीजन की त्वरित तैयारी तथा SS-25 के लिए प्री-प्लानिंग एग्जीबिशन में की जा सकेंगी।

फैबेक्सा के आयोजन से अहमदाबाद को मिली नई पहचान -श्री गिरीश सोठानी

देश के अपेरल सेक्टर में आज अहमदाबाद का कपड़ा ट्रेण्ड कर रहा है। हर प्रीमियम अपेरल ब्राण्ड को फैब्रिक सोर्सिंग के लिए अहमदाबाद का रूख करना पड़ रहा है। यह संभव हुआ है यहां के जुझारू एवं मेहनती युवा टेक्सटाइल उद्यमियों की अग्रगामी सोच एवं बुद्धिमता से।' यह विचार व्यक्त करते हुए प्रीमियम शर्टिंग फैब्रिक उत्पादन में निपुण कंपनी श्री महावीर फैब्रिक्स मैन्युफेक्चरिंग कंपनी के युवा डायरेक्टर श्री गिरीश सोठानी ने बताया कि अहमदाबाद के उद्यमियों को अपने प्रोमोशन के लिए 'फैबेक्सा' प्लेटफॉर्म मिलने से अपेरल सेक्टर में अहमदाबाद टेक्सटाइल इण्डस्ट्री को नई पहचान मिली है। सभी के सामूहिक प्रयासों से आज यहां की इण्डस्ट्री प्रगति के नये सोपान तय कर रही है। श्री सोठानी ने कहा कि हमारी कंपनी ढ़ेर सारे नए डवलपमेंट्स के साथ एग्जीबिशन में भाग ले रही है। शत् प्रतिशत कॉटन शर्टिंग फैब्रिक में डिजिटल प्रिंट विद डिफरेंट बेस एवं कॉटन डोबीज में विण्टर स्पेशल रेंज प्रस्तुत करने वाली है। नये डिजाइंस में पट्टे, चैक्स एवं डिफरेंट प्रिंट्स का उम्दा सम्मिश्रण देश के अपेरल कारोबारियों के लिए हमारा नया प्रजेंटेशन होगा।

क्वालिटी फैब्रिक प्रॉडक्शन में अहमदाबाद का अलग ही रुतबा -श्री मनोज जैन

मस्कती महाजन द्वारा आयोजित सभी फैबेक्सा एग्जीबिशंस में भाग ले चूकी कंपनी मनोज प्रिण्ट्स प्रा. लि. के डायरेक्टर श्री मनोज जैन ने बताया कि अहमदाबाद की छवि शुरू से ही रेडीमेड गारमेण्ट निर्माताओं में अच्छी रही है। यहां के कॉटन फैब्रिक का देश की अन्य किसी कपड़ा मण्डी से कोई मुकाबला नहीं है। यहां के उद्योग को एक्सपोजर की जरूरत थी जो, फैबेक्सा प्लेटफॉर्म के रूप में पूरी हुई है। अब तक हुई 8 एग्जीबिशंस से अहमदाबाद टेक्सटाइल इण्डस्ट्री की शाख बढ़ी है, मार्केट का विस्तार हुआ है तथा देश के गारमेण्ट उद्यमियों का अहमदाबाद के प्रति भरोसा बढ़ा है। हमारी कंपनी फैबेक्सा एग्जीबिशन में कॉटन शर्टिंग फैब्रिक्स में व्यापक रेंज प्रस्तुत करने वाली है। आगंतुक गारमेण्ट कारोबारियों को अपनी तरफ से हम नये डवलपमेण्ट्स से रूबरू करवाएंगे।

because textiles are the pride of Ahmedabad

FABEXA® AHMEDABAD
FABRIC SOURCING EXPO
EDITION 9

GET NEW EXPERIENCE
THIS TIME AT FABEXA

EXHIBITION BOOTHS | FASHION TRENDS
THE EX LOUNGE (LIMITED ENTRY)
COLOUR TREND BOOTHS | BREAKOUT SEMINARS

21st - 24th MAY, 2024
HELIPAD GROUND, GANDHINAGAR
fabexa.in | info@fabexa.in

ORGANISED BY
Maskati Cloth Market Mahajan, Ahmedabad
Since - 1906

OUR ESTEEMED EXHIBITORS

FABEXA® AHMEDABAD
FABRIC SOURCING EXPO
EDITION 9

Nakoda Fashion Pvt. Ltd.
Arihant Syntex
Shaswat Textiles Pvt. Ltd.
Viru Textile Mills Pvt. Ltd.
Bhavna Processors Pvt. Ltd.
Panam Texfab Pvt. Ltd.
Shree Mahadev Texfab Pvt. Ltd.
Mangla Textile Mills
Chandermauli
Anjali Textile Mills
Manoj Prints Pvt. Ltd.
Jyoti Print
Luniya Impex
Hemantkumar & Co. (Preksha Textile Pvt. Ltd.)
Ambica Synfab Pvt. Ltd.
Shree Mahavir Fabrics Mfg Co.
Mewa Textile
Syama Denims (Sri Shyam Fashion India Pvt. Ltd.)
Magraj Kantilal Fab Pvt. Ltd. (Emkay)
Aavali Prints Pvt. Ltd.
Dipika Textile Mills (Jayesh Tex Fab Pvt. Ltd.)
Dharmaji Textile
Shree Ramesh Textile Mills
Kauvery Fab Tex
Arham Fabrics (Santosh Enterprise)
Kamal Tex Fab Pvt. Ltd.
Panton Tex Fab
Accessories Shop
Raj International
Adinath Tex Fab
VMS Fabrics Pvt. Ltd.
Nysa Trendz
Print Magic
Manita Tex Fab
Siddhachakra Weaving Pvt. Ltd. (SWPL)
Kencot Trendz
Chandulal C Shah
Amcot Fashion
Arihant Cotfab Llp
Shree Kedar Cot Fab
Kedar Textile Mills
Ambe Creation
Arihant Syncotex Mills Pvt. Ltd. (Vivek Textile Agency)
Lakhpatraj Fashion Pvt. Ltd.
Kohinoor Synthetic
Panna Clothing
Weaves Indian Co.
K Ayushi Fab (K Jayesh Kumar)
Tiara Fashion
Raj Fashion
Manglam Sales
M G Textile
Vimko Tex Fab
T. S. Textiles
Trendy Creation Textile Mills
Anjanilal Cot Fab
Laxmi Fabrics (Prabhat Suiting)
B R Fabric
Charchit Apparels Pvt. Ltd.
Hansraj Clothing
Henitex Fabrics LLP
Brand Roots (Aditya Rohitkumar)
Apple. (Vijay Indermal)
Sachin Texfab Pvt. Ltd.
Aditya Tex Fab
A.B.Corporation
Ankur Textile (World Fashion)
Kamla Fab
C.A.Patel Textiles Pvt. Ltd.
Ananta Fabrics
M.Ghanshyam Tex Fab Pvt. Ltd.
A.Ka.Ji Fabrics
G N Textiles
Japson Fashion Pvt. Ltd.
Ravi Textile
Jiwandass Desraj
Bhagwati Tex Trend LLP
Dee Are Tex Fab Pvt. Ltd.
R J Fashion
Siddhi Vinayak Trading Co
Khodal Fabric LLP
Infinity Fabrics
Madhav Prem Traders
Dhanraj Textiles
LB Denim Pvt. Ltd.
Bhagwan Enterprise Textiles Pvt. Ltd.
Disha Clothing Pvt. Ltd.

For Stall Participation Call: 98250 50993

Few limited booths available
Avail pre-layout rates till 20th April

ORGANISED BY
Since - 1906

डाईफैब प्रोसेस टेक्नोलॉजी इण्डिया प्रा.लि. द्वारा नवरात्रा के अवसर पर पूजा हवन कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

DYEFAB PRESSURE TECHNOLOGY INDIA PVT. LTD.

भीलवाड़ा/स्थानीय वस्त्र मण्डी में एक मात्र टेक्सटाइल मशीनरी उत्पादक कंपनी डाईफैब द्वारा प्रोसेस इण्डस्ट्री में काम आने वाली मशीनों का निर्माण किया जा रहा है। कंपनी के ऑनर डायरेक्टर श्री महावीर सिंह राठोड़ एवं देवाशीष वाजपेयी (GM) ने बताया कि पिछले 9 वर्षों से हमारी कंपनी इस क्षेत्र में कार्य कर रही है और भीलवाड़ा के अलावा गोरखपुर, पंचकुला एवं गुजरात इत्यादि शहरों में भी सप्लाई की जा रही है। श्री राठोड़ ने बताया कि एक समय था जब बाहर से मशीनें खरीदकर स्थानीय प्रोसेस इण्डस्ट्रीज में सप्लाई हो रही थी जो आज सफलता का मुकाम हासिल करते हुए देश की अन्य मण्डियों से भी डिमाण्ड आ रही है। श्री राठोड़ ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति नवरात्रा के अवसर पर प्लाण्ट के प्रांगण में हवन पूजन एवं प्रसादी का आयोजन रखा जाता है। अतः इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रा के उत्तरार्ध में यह आयोजन रखा गया जिसमें टेक्सटाइल सेक्टर के कई सम्मानीय उद्यमियों ने शिरकत की। इस दौरान इन्होंने कहा कि हमारे इस इण्डस्ट्री के डवलपमेंट के लिए प्रसिद्ध उद्यमी कोल एण्ड केमिकल सप्लायर श्री संजय सरीन का विशेष सहयोग रहा। जिसके चलते आज कंपनी सफलता के पथ पर गतिशील है।

Since 9 years
Machinery Manufactured
Mainly for Textile Processing
Industry
1. Decatising Machine
2. PLC based Fully
Automatic Jigger Machine
3. Jet Dying Machine

Marketing Sales in:- Bhilwara,
V N Dyers, Ambay Processers
(Gorakhpur), Amartex
Panchkula-Haryana,
Gujarat, Rajasthan

Latest Upgraded Technology in
Decatising Machine
Gear Box System
Various types of saving in
machine compared to old model.
1 Provide Dry Steam
2 Steam Saving
3 Air Saving

DYEFAB PRESSURE TECHNOLOGY INDIA PVT LTD

FACTORY: G1-215,216 RIICO GROWTH CENTRE SWAROOPGANJ, BHILWARA-311001(RAJ) Mob. 8107454986 | 7073496670 | Email: dyefab_001@yahoo.com

LINEA LUSSO
ITALY
By
TESSITURA
MONTI

TESSITURA MONTI INDIA PVT. LTD.

Mills:
Gat No. 147, Village Tamgaon, Post - Sangavde, Tal. Karveer,
Kolhapur - Hupari Road, Dist. Kolhapur - 416202. Maharastra.
INDIA. Tel. No : +91 231 2682900 Email : info@monti.co.in

Corporate Office :
77, Jodh Towers, 4th Floor, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027,
INDIA. Tel. No : +91 80 40500288
Email : office@monti.co.in Website : www.monti.co.in

Tessitura Monti India Pvt.Ltd.
BORN IN ITALY 1911

Auth. Distributors : Maharashtra, Gujarat, West Bengal & Uttar Pradesh - M/s Tushar Textiles , Mumbai   Karnataka, AP & Telangana - M/s Padam Fabrics , Bengaluru
Karnataka & Kerala - M/s Vogue Vastra, Bengaluru   AP & Telangana - M/s Payal Saree Centre, Hyderabad   Tamil Nadu - M/s Sri Prem Syndicate, Chennai
Rajasthan & Haryana - M/s Vinayak Trading Co , Jaipur   Delhi NCR & Punjab - M/s SKSN Fabrics, Delhi   Bihar - M/s RC Fabtex , Patna

For Distributorship Enquiry in West Bengal, Jharkhand, UP, MP & CG : +91 97028 39191

भूल ना जाना ०४४

RISHAB WORLD

Chandra Singh Garhwali at 1994 Stamp of India.

चन्द्र सिंह गढ़वाली

(१८९१-१९७९)

पेशे से **सैनिक** और दिल से **गांधीवादी चन्द्र सिंह गढ़वाली** को **निहत्थे पठानों** पर गोलियाँ चलाने से मना करने के लिए याद किया जाता है। जब सन् 1930 में अवज्ञा आंदोलन चल रहा था।

चन्द्र सिंह को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को **आजाद हिन्द फौज** के गठन की परिकल्पना देने के लिए भी याद किया जाता हैं।

गढ़वाल क्षेत्र में वस्तुतः **चन्द्र सिंह** भण्डारी के रूप में जन्मे चन्द्र ने **गढ़वाल राइफल्स** में सेवा के दौरान **पेशावर कांड** में गोली चलाने के आदेश पालन से मना कर दिया, इसलिए उन्हें **वीर चन्द्रसिंह गढ़वाली** के नाम से पुकारा गया।

इस क्रांतिकारी कदम के लिये **चन्द्रसिंह** को **आजीवन कारावास** की सजा दी गई और **अबोटाबाद जेल** (अब पाकिस्तान में) भेज दिया गया, जहां उन्होंने अपने जीवन के ग्यारह वर्ष बिताए।

इसके बाद सन् 1942 में जेल से रिहा होने पर **चन्द्रसिंह** ने **भारत छोड़ो आन्दोलन** की इलाहाबाद क्षेत्र की कमान संभल ली, परिणामस्वरूप उन्हें पुनः जेल भेज दिया गया।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद **चन्द्र सिंह** को **वीर बहादुर** के सम्मान से कई संस्थाओं द्वारा नवाजा गया और सरकार की कई योजनाएँ उनके नाम पर, विशेष तौर पर **उत्तराखण्ड** में चलाई गई।

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली की **जन्मशती** पर भारत सरकार द्वारा सन् 1994 में डाक टिकट जारी किया गया।

जिनिंग उद्योग उत्पादन में आयी रौनक

राजकोट/ गुजरात में कपास की आवक मार्च अवधि के बाद फिर एक लाख मण की तुलना में अधिक लगने लगी है। एक समय की तेजी के बाद भाव टूटने के कारण किसानों की कपास के स्टॉक पर पकड़ छूट गई है और आपूर्ति मिल रही है इसलिए जिनिंग उद्योग में रौनक है। मार्च के दौरान अनेक छुट्टियां होने के बावजूद गुजरात में कुल 8.34 लाख गांठ का उत्पादन हुआ है। इसके साथ अक्टूबर से मार्च की अवधि के दौरान 68.02 लाख गांठ जिनिंग मिलों में बांधा गया है।

गुजरात में लोकल कपास और महाराष्ट्र के कपास की आवक मिलकर औसतन 85 लाख गांठ के आसपास उत्पादन या प्रेसिंग होने का अनुमान गुजकोट द्वारा लगाया गया है। इसे देखते हुए लगभग 80 प्रतिशत जितनी सीजन पूरी हो चुकी है। गुजरात में मार्च के अंत में औसतन पौने पांच सौ जितने जीनिंग मिलों में प्रेसिंग चालू थी। मिलें पूर्ण समय के लिए नहीं चलती, काम के घंटे घटे हैं लेकिन जिनों में कामकाज चालू रहने से बहुत कम जिनों का शटर बंद है। पिछले वर्ष मार्च तक 55.8 लाख गांठ की प्रेसिंग हुई थी। इसकी तुलना में इस वर्ष जीनों में उत्पादन अधिक रहा है। यह वृद्धि 23 प्रतिशत जितनी है। प्रेसिंग सौराष्ट्र में 26 प्रतिशत जितनी अधिक हुई है। सौराष्ट में कपास की आवक अच्छी है और गांव से भी मिल रही है इसलिए जिनों में पर्याप्त माल मिल रहा है। पिछले पांच सीजन में सबसे कम प्रेसिंग 2021-22 में 74.29 लाख गांठ हुई थी। ऐसा गुजकोट का अनुमान है जबकि सबसे अधिक प्रेसिंग 2019-20 में 96.45 लाख गांठ हुई थी। वर्ष 2022-23 में किसानों की पकड़ स्टॉक पर मजबूत रहने के कारण मार्च तक मात्र 55 लाख गांठ बनी थी जो पांच वर्ष में सबसे कम थी।